www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 138 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
08 अगस्त 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:34
सूर्यास्तः 06:50
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 28°00

» पेज 07

विशेष समाचार | बोल बम की गूंज और सुशासन... » पेज 04 | आगरा में सड़क धंसी 20 ... » पेज 06 | वरुण धवन करेंगे खौफ का...

गोविंद साहब धाम से योगी का सियासी वार, पीडीए के जवाब में परिवार-दंगा-अराजकता का मुद्दा

संभल में सपा के गुंडे ने दंगा कराया : योगी

कार्यक्रम

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। गोविंद साहब धाम की धरती से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विकास के साथ सियासी संदेश भी दिया। 706.80 करोड़ रुपये की 194 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जहां अम्बेडकरनगर के विकास कार्य गिनाए, वहीं समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर कई मुद्दों को लेकर हमला बोला। करीब 36 मिनट के संबोधन में मुख्यमंत्री ने अयोध्या, राम मंदिर, कानून व्यवस्था, रोजगार, माफिया, युवाओं, किसानों और सरकारी योजनाओं का जिक्र किया।

» (शेष पेज 06 पर)

■ अंबेडकरनगर में सीएम योगी ने 706 करोड़ रुपए से ज्यादा की 194 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को घर की चाबी, स्वीकृति पत्र की दिए।

■ सीएम योगी ने मंच पर बच्चों को बुलाकर अपने हाथ से चेक दिए। उन्हें दुलार भी किया।

706.80 करोड़ की परियोजनाओं के मंच से मुख्यमंत्री का बड़ा संदेश

'विकास नहीं चाहती सपा, बजट पर किया हंगामा'

सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र की तीन प्रमुख आधारशिलाएं हैं। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। अपनी-अपनी सीमाओं में रहकर बेहतर समन्वय के साथ विकास कार्यों को आगे बढ़ाती हैं। हाल ही में विधानसभा सत्र के दौरान सरकार 59 हजार करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट लेकर आई थी, लेकिन सपा ने हंगामा कर सदन नहीं चलने दिया।

सपा की विकास और गरीबों के उत्थान में कोई रुचि नहीं है। योगी ने कहा- पहले नौकरी का विज्ञापन आते ही चाचा-भतीजे की जोड़ी निकल पड़ती थी। युवाओं के हक पर ये जोड़ी डाका डालती थी। रोज दंगे होते थे। कभी मेरठ, तो कभी अलीगढ़, मुरादाबाद, सहारनपुर, तो कभी बरेली, लखनऊ और कानपुर में दंगे होते थे। सपा का झंडा लेकर गुंडे जाते थे। वसूली करते थे। जिस गाड़ी में सपा का झंडा होता था, उसमें सपा का गुंडा होता था।

अयोध्या से माफिया तक विपक्ष पर निशाना विकास, विरासत और कानून व्यवस्था पर रखा सरकार का पक्ष

- मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि गोविंद साहब मेला अब राजकीय मेले के रूप में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि माघ मेले में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं, इसलिए इसकी व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाएगा।
- अम्बेडकरनगर बना विकास की नई पहचानः एक्सप्रेस-वे से कॉरिडोर तक
- मुख्यमंत्री ने कहा कि अम्बेडकरनगर विकास के नए मॉडल के रूप में उभर रहा है।
- उन्होंने कहा कि जिला दो एक्सप्रेस-वे से जुड़ चुका है। नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर से जोड़ने की दिशा में भी काम किया जाएगा।
- उन्होंने मेडिकल कॉलेज में क्रिटिकल केयर ब्लॉक, सड़क, बिजली, पानी और गांवों तक कनेक्टिविटी बढ़ाने की योजनाओं का जिक्र किया।

'नो कर्फ्यू, नो दंगा': कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष पर हमला

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में दंगों और अपराध की घटनाएं होती थीं। उन्होंने सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, हापुड़, अलीगढ़, मथुरा, लखनऊ और कानपुर की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत है। उन्होंने कहा, नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में है सब चंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटी, व्यापारी और आम नागरिक की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है।

'सपा ने हर जिले में एक माफिया पाल रखा था'

सीएम ने कहा कि सपा सरकार ने हर जिले में एक माफिया पाल लिया था। कहीं बालू माफिया, कहीं भू-माफिया, तो कहीं वन माफिया पाल रखा था। इनके इतिहास को देखकर नौजवान पीढ़ी को बताना चाहिए कि कैसे इन लोगों ने अराजकता फैला रखी थी। आज यूपी माफिया-मुक्त और कर्फ्यू-मुक्त है। हमने कहा कि अगर नौजवानों के भविष्य से कोई खिलवाड़ करेगा तो उसकी जगह जेल में होगी। बाप-दादा की कमाई को जब्त कर गरीबों में बांट देंगे। आज कोई व्यापारी को धमका नहीं सकता। अगर ऐसा किया तो जेल में भेजने का काम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या के मुद्दे पर सपा और कांग्रेस को निशाने पर लिया

उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस को अयोध्या का सम्मान मिलना खटक रहा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सपा सरकार में रामभक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं। वहीं कांग्रेस ने भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन चुका है और यह देश की सांस्कृतिक पहचान का केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने विदेशी आक्रांताओं से जुड़े आयोजनों की जगह देश के वीरों और महापुरुषों को सम्मान देने का काम किया है। उन्होंने महाराजा सुहेलदेव, महारानी दुर्गावती, वीरांगना झलकारी बाई और अवंतीबाई लोधी का उल्लेख किया।

पीएम की एनडीए के 45 नए सांसदों के साथ बैठक

इनमें टीएमसी और उद्धव गुट के बागी सांसद भी थे

मीटिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । पीएम मोदी ने एनडीए के 45 नए लोकसभा सांसदों के साथ शुक्रवार को पीएम आवास पर ब्रेकफास्ट मीटिंग की। इनमें TMC और उद्धव गुट के बागी सांसद भी थे। ममता की पार्टी टीएमसी का साथ छोड़कर 20 बागी सांसद नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) में शामिल हो गए थे। वहीं शिवसेना (उद्धव गुट) के 6 सांसद भी शिंदे गुट के साथ आ चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम ने इन सांसदों से कहा कि NDA एक परिवार है। हम सहयोगी दलों के साथ हैं। हर व्यक्ति का सम्मान किया जाएगा। मैं NDA के हर सांसद के साथ खड़ा हूं। आपको किसी के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।

■ मानसून सत्र में बागी सांसदों की अलग सिटिंग व्यवस्था

ममता बनर्जी का साथ छोड़ने वाले TMC के 20 बागी सांसद लोकसभा में अलग बैठ रहे हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

दाल में काला नहीं, पूरी दाल ही काली : राहुल

राहुल ने कार की टंकी खोली, ई20-पेट्रोल पर सवाल उठाए

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । राहुल गांधी ने शुक्रवार को X पर एक वीडियो पोस्ट कर E20-पेट्रोल पर सवाल उठाए। राहुल ने करीब 53 सेकेंड का वीडियो जारी किया। वीडियो में राहुल कार की पेट्रोल टंकी खोलते नजर आए। ढक्कर उठाकर अंदर झांका और कहा कि नॉर्मली हम कहते हैं कि दाल में काला है लेकिन यहां पूरी दाल ही काली है। इस समय देश में करप्शन की लाइन लगी है। उनमें से एक E20 ईंधन का मामला है। इसके चलते लोगों की कार और स्कूटर खराब हो रहे हैं। यह लोगों के जीवन को प्रभावित करने के साथ ही उनकी जेब से सीधे पैसे भी चुरा रहा है। राहुल के सोशल मीडिया पोस्ट से पहले केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को दिल्ली में कहा कि भारत का बायोफ्यूल ब्लेंडिंग प्रोग्राम बहुत अच्छा काम कर रहा है।

■ सरकार बोली- कुछ लोग ई20 को लेकर बेवजह विवाद पैदा कर रहे

» (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

सीएम विजय की पत्नी ने तलाक की अर्जी वापस ली

चेंगलपट्टू (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के CM विजय की पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में दाखिल तलाक की अर्जी वापस ले ली है। शुक्रवार को इस केस के सुनवाई थी, इसमें वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुई।

सुनवाई | निर्णय

40 साल बाद बोफोर्स केस बंद

नई दिल्ली । करीब 40 साल पुराने बोफोर्स घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को आखिरी याचिका भी खारिज कर दी। इसके साथ ही अब यह मामला पूरी तरह खत्म हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब इस केस में आगे सुनवाई की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने 2005 के दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली अपील भी सुनने से मना कर दिया, जिसमें हिंदुजा ब्रदर्स और बोफोर्स कंपनी को बरी कर दिया गया था। यह मामला 1986 में भारत सरकार और स्वीडन की कंपनी एबी बोफोर्स के बीच हुई 1,437 करोड़ रुपए की तोप खरीद डील से जुड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट बोला सांसद अंडे फेंके जाने से डरते हैं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, 'राजनीति में आने के बाद अंडे फेंके जाने से क्यों डरती हैं, जबकि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने गोलियां तक झेली थीं।' महुआ ने हेट स्पीच मामले में पुलिस के सामने पेश होने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी।

संसद में विपक्ष का प्रदर्शन, दोनों सदन सोमवार तक स्थगित

लोकसभा से एमएसएमई संशोधन बिल पास

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को भी संसद परिसर में तेज बारिश के बीच राम मंदिर चढ़ावा चोरी और जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) MSME विधेयक 2026 ध्वनिमत से पास हुआ। दोनों सदन सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने 'अमित शाह सदन में आओ' के नारे लगाए। इस पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि शाह सुबह से रात तक संसद में ही रहते हैं। उन्होंने लोकसभा में कहा कि अमित शाह का नाम सुनते ही आतंकी कांप उठते हैं। इसी बीच कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को 10 से 12 अगस्त तक संसद में मौजूद रहने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है।

■ कांग्रेस ने सांसदों को व्हिप जारी किया, 10 से 12 अगस्त तक सदन में रहने के निर्देश

» (शेष पेज 06 पर)

सीबीआई बोली- एनटीए एक्सपर्ट्स पेपर तैयार करते समय सवाल याद कर लेते थे

नीट पेपर लीक की साजिश महीनों पहले हुई : सीबीआई

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। NEET-UG 2026 पेपर लीक की साजिश परीक्षा से कई महीने पहले रची गई थी। NTA के एक्सपर्ट्स ने पेपर तैयार करने के दौरान ही सवाल याद कर लिए थे। CBI ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल 94 पेज की चार्जशीट में यह दावा किया है।

चार्जशीट 28 जुलाई को दाखिल की गई थी। इसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई। इसके मुताबिक, एक्सपर्ट्स NTA ऑफिस से होटल लौटकर याद किए गए सवाल पर्चियों पर लिखते थे। इसके बाद इन्हें बिचौलियों और कोचिंग नेटवर्क के जरिए छात्रों तक पहुंचाया जाता था। लीक किस-किस ने किया, कैसे किया ये जांच के बाद पता चल जाएगा। लेकिन ऐसा लग रहा है कि, सवाल रटकर लीक किए गए हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

सीबीआई को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, चैट रिकॉर्ड मिले

CBI का कहना है कि फोरेंसिक जांच, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, चैट रिकॉर्ड, बरामद दस्तावेज और गवाहों के बयान से पूरे नेटवर्क की पुष्टि हुई। चार्जशीट में मनीषा संजय वाघमारे, धनंजय लोखंडे, शुभम मधुकर खैरनार और यश यादव को इस नेटवर्क की अहम कड़ी बताया गया है। ये लीक पेपर आगे छात्रों तक पहुंचाते थे।

> चार्जशीट के मुताबिक, एनटीए ऑफिस में आते-जाते समय एक्सपर्ट्स की तलाशी नहीं होती थी। उन्हें रफ वर्क के लिए सादे कागज दिए जाते थे। कुलकर्णी ने इन पर केमिस्ट्री के 135 सवाल और उनके ऑप्शन नोट किए। उन्होंने केमिस्ट्री पेपर का मराठी से अंग्रेजी में बैक-ट्रांसलेशन भी किया।

चार्जशीट में कोचिंग संचालक और डॉक्टर भी आरोपी

CBI ने चार्जशीट में डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी, पुणे के COO तेजस हर्षदकुमार शाह, रेणुकाई करियर सेंटर के मैनेजिंग पार्टनर शिवराज मोटेगांवकर और सिद्धिविनायक हॉस्पिटल के मालिक डॉ. मनोज भगवानराव शिरुरे को भी साजिश का हिस्सा बताया है। जांच के मुताबिक, इन लोगों ने NTA के बाहर पूरे नेटवर्क का संचालन किया और लीक पेपर छात्रों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। CBI के मुताबिक, पेपर लीक का मकसद अवैध कमाई और कुछ कोचिंग संस्थानों के रिजल्ट बेहतर दिखाना था।

नारा : चंद्रशेखर बोले पसीना गिरा तो क्रांति होगी, कांशीराम-पासवान को नहीं भूल सकता

बैलेट पेपर लाओ, ईवीएम हटाओ : चंद्रशेखर

■ चंद्रशेखर बोले- सरकार बनी तो कक्षा एक से पीएचडी तक की शिक्षा मुफ्त की जाएगी

■ चंद्रशेखर ने सरकार के प्रचार खर्च पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने लखनऊ में शुक्रवार को देश के चुनावी सिस्टम पर सवाल उठाए। उन्होंने ईको गार्डन में आयोजित 'मंडल चेतना जन आंदोलन' में 'बैलेट पेपर लाओ, लोकतंत्र बचाओ, EVM हटाओ' का नारा लगाया। प्रदेशभर से आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता कार्यक्रम में पहुंचे। चंद्रशेखर ने कार्यकर्ताओं से कहा कि जहां-जहां आपका पसीना पड़ेगा, वहां क्रांति के बीज पैदा होंगे। आप लोग किसी भी हाल में मत घबराना। जब तक मंडल कमीशन पूरी तरह से लागू नहीं होता, पिछड़े वर्ग को उसका आरक्षण नहीं मिलता, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे। चंद्रशेखर आजाद ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल का भी जिक्र किया।

» (शेष पेज 06 पर)

■ चंद्रशेखर के साथ तस्वीर में पूर्व IPS आदित्य प्रकाश वर्मा हैं। आजाद समाज पार्टी ने देश में बैलेट पेपर से चुनाव करने की मांग की।

> चंद्रशेखर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह जी ने पिछड़े समाज को आगे लाने का काम किया। मेरी सरकार से मांग है कि वीपी सिंह को भारत रत्न मिलना चाहिए। आज जो संवैधानिक व्यवस्था है, वह सब कांशीराम और रामविलास पासवान जैसे लोगों के संघर्षों की वजह से है। मैं उन्हें कभी नहीं भूल सकता।

पूर्व आईपीएस बोले- पिछड़े वर्गों को आधा आरक्षण भी नहीं मिल रहा

पूर्व IPS और आजाद समाज पार्टी के हाथरस के प्रभारी आदित्य प्रकाश वर्मा ने कहा कि पिछड़े वर्गों के लिए 27 प्रतिशत तक आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन इसका आधा भी उन्हें नहीं मिल पा रहा। आरक्षण के प्रावधान का पूरी तरह से पालन किया जाना चाहिए। इस दौरान बसपा के पूर्व विधायक बाल गोविंद राजवंशी ने आजाद समाज पार्टी ज्वाइन की।

पीएम मोदी से दिल्ली में मिले सुखबीर बादल

पंजाब में दोबारा अकाली- बीजेपी गठजोड़ के संकेत

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

चंडीगढ । शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल शुक्रवार सुबह दिल्ली पहुंचे और पार्लियामेंट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 40 से 45 मिनट तक मुलाकात की। पीएम से मीटिंग से पहले सुखबीर बादल की हरियाणा CM नायब सैनी से भी मुलाकात हुई थी। दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद अकाली दल और भाजपा गठबंधन की चर्चा होने लगी है। पंजाब विधानसभा चुनाव में तकरीबन चार-पांच महीने का टाइम बचा है। माना जा रहा है कि दोनों दलों के शीर्ष नेताओं की मुलाकात के बाद अब गठबंधन फाइनल हो सकता है। इधर, मोदी-सुखबीर की मुलाकात पर आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने तंज कसा- ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे......तो क्या चन्दा चोर पार्टी और बेअदबी पार्टी का गठबंधन हो रहा है?

■ केजरीवाल बोले- ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे

» (शेष पेज 06 पर)

भाई के जनाजे में शामिल होंगे, पैरोल मिली, अबान की मौत के सवाल पर भड़के डिप्टी सीएम

जेल में बंद अतीक के दोनों बेटे बाहर आएंगे

अंतिम दर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज/झांसी । माफिया अतीक अहमद के जेल में बंद दोनों बेटे अली और उमर छोटे भाई अबान के जनाजे में शामिल होंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार दोपहर साढ़े 3 बजे दोनों भाइयों को पैरोल दे दी।

उमर लखनऊ और अली झांसी जेल में बंद है। कोर्ट का आदेश जेल पहुंचने के बाद दोनों को प्रयागराज पहुंचने में 6-7 घंटे लग सकते हैं।ऐसे में अबान को प्रयागराज में देर रात या कल सुपुर्द-ए-खाक किया जा सकता है। परिवार ने अबान के शव को डीप फ्रीजर में रख दिया है।

मां शाइस्ता परवीन जनाजे में शामिल होगी या नहीं। सबकी निगाहें उस पर टिकी हैं, क्योंकि वह पति अतीक और बेटे असद के जनाजे में भी शामिल नहीं हुई थी। शाइस्ता 2023 से फरार है।

मां शाइस्ता परवीन जनाजे में शामिल होंगी या नहीं, सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं। वह पति अतीक और बेटे असद के जनाजे में भी शामिल नहीं हुई थीं। शाइस्ता 2023 से फरार हैं।

अबान (21) को कसारी-मसारी के खानदानी कब्रिस्तान में दफनाया जाएगा। यहां उसके पिता अतीक, दादा फिरोज अहमद, चाचा अशरफ और भाई असद की कब्रें हैं।

प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम केशव मौर्य से अबान की मौत पर पत्रकारों ने सवाल किया तो भड़क गए। बोले- एक्सीडेंट रोज होते रहते हैं ये कौन-सी बात है।

सड़क हादसे में छोटे भाई अबान की मौत की खबर ने झांसी जेल में बंद उसके बड़े भाई अली अहमद को झकझोर दिया। वह रह-रहकर रो रहा है और जेल स्टाफ से बार-बार भाई के बारे में पूछ रहा है। जेल सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को उसने खाना भी नहीं खाया। रात में भी वह सोया नहीं। हादसे की सूचना के बाद से वह अपनी कोठरी से बाहर नहीं निकला।

भाई से जेल मिलने जा रहा था, सड़क हादसे में हुई थी मौत

अबान की गुरुवार सुबह झांसी में सड़क हादसे में मौत हुई थी। वह चार दोस्तों के साथ क्रेटा कार से जेल में बंद भाई अली से मिलने प्रयागराज से जा रहा था। हाईवे पर जानवर को बचाने के चक्कर में कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में अबान और उसके दोस्त सोनू की मौत हो गई, जबकि तीन दोस्त घायल हो गए। अबान-सोनू के शव शुक्रवार तड़के 4 बजे एक ही एंबुलेंस से झांसी से प्रयागराज के हटवा गांव लाए गए। अबान का शव लेने झांसी पहुंचे अहजम ने कहा था- "अल्लाह की चीज थी, अल्लाह ने ले ली।" 2023 में असद के एनकाउंटर के बाद अतीक के भाई अशरफ ने भी यही बात कही थी। भाई की मौत की खबर मिलने के बाद जेल में बंद अली रातभर सोया नहीं। वह रोता रहा और खाना भी नहीं खाया।

अबान को खानदानी कब्रिस्तान में दफनाया जाएगा। उसकी कब्र खोद दी गई है।

- अबान के शव को डीप फ्रीजर में रखा गया है। शव अभी हटवा में बुआ के घर पर है। दो और डीप फ्रीजर मंगाए गए हैं।
- प्रतापगढ़ की रानीगंज सीट से सपा विधायक आरके वर्मा हटवा गांव पहुंचे। उन्होंने अबान और सोनू के परिजनों को ढांढस बंधाया।

अतीक के बेटे की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा लीवर-लंग्स फटे
पसलियां टूटीं, 23 चोटों से अबान की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में माफिया अतीक अहमद के बेटे अबान (21) के शव पर 23 चोटें मिली हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि तेज टक्कर से उसके लीवर, लंग्स और शरीर की तिल्ली (Spleen) फट गई। पसलियां भी टूट गई थीं। शरीर के अंदर ज्यादा ब्लीडिंग होने से उसकी मौत हुई। वहीं, कार में अबान की सीट के पीछे बैठे उसके साथी सोनू की मौत सिर की हड्डी टूटने से हुई। उसके दोनों हाथों में फ्रैक्चर मिला। गुरुवार रात 11:30 बजे झांसी मेडिकल कॉलेज में दोनों का 3 डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमॉर्टम किया। अबान का बड़ा भाई अहजम पोस्टमॉर्टम हाउस के अंदर पहुंचा। भाई अबान का शव देखकर फूट-फूटकर रोने लगा। रिश्तेदारों ने उसे संभाला। इसके बाद उसने पुलिस से पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मांगी। अफसरों ने बाद में रिपोर्ट देने की बात कही। पोस्टमॉर्टम के बाद

अहजम ने रिश्तेदारों के साथ दोनों शवों को एक ही एंबुलेंस में रखवाया। रात 12 बजे शव लेकर प्रयागराज के लिए रवाना हो गए। आज दोनों का अंतिम संस्कार किया जाएगा। गुरुवार को अबान झांसी जेल में बंद अपने बड़े भाई अली अहमद से मिलने जा रहा था। क्रेटा कार में उसके साथ चार दोस्त थे। झांसी से 70 किमी पहले पूंछ इलाके में हाईवे पर उसकी कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में अबान और सोनू की मौत हो गई। जबकि उसके 3 दोस्त उमर अहमद, मोहम्मद जैद और फारुक अहजम घायल हो गए।

फास्ट न्यूज

राहुल हिंदू तो पप्पू यादव का विरोध करें

प्रयागराज। प्रयागराज में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को सर्किट हाउस में सांसद पप्पू यादव पर निशाना साधते हुए कहा- साधु वेश धारण कर उन्होंने रामभक्तों और हिंदुओं का अपमान किया है। उन्होंने राहुल गांधी से मांग की कि वे स्वयं को जनेऊधारी और हिंदू मानते हैं, तो पप्पू यादव का सार्वजनिक विरोध करें और उन्हें अपनी पार्टी से अलग करें। डिप्टी सीएम ने यह भी कहा कि राहुल गांधी के प्रयागराज आने या कहीं भी जाने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

बच्ची बोली-हर जुमा अंकल प्राइवेट पार्ट टच करते हैं

वाराणसी। वाराणसी में एक साड़ी कारीगर की 6 साल की बेटी से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। बच्ची का कहना है कि हर जुमे को मोहल्ले में रहने वाला एक युवक उसे चॉकलेट देने के बहाने बुलाता था। फिर सुनसान जगह पर ले जाकर उसके प्राइवेट पार्ट को टच करता था। विरोध करने पर कहता था कि अगर घर में किसी को बताया तो जान से मार देगा।

डरी-सहमी बच्ची ने आखिरकार अपनी मां को पूरी बात बता दी। इसके बाद परिजन शुक्रवार को जैतपुरा थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

टेंडर खुलने से पहले लग गईं लाइटें

बाराबंकी । बाराबंकी के नवाबगंज नगर पालिका परिषद में 1.10 करोड़ रुपये की डेकोरेटिव लाइटें लगाने के प्रोजेक्ट में अनियमितताएं सामने आई हैं। ई-टेंडरिंग का लिफाफा खुलने से पहले ही चहेती फर्म से लाइटें लगवाने का मामला उजागर होने पर जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने इस पूरे प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी नगर पालिका नवाबगंज से वापस ले ली है।

गोरखपुर में 4.77 क्विंटल काली मिर्च सीज
बिना लाइसेंस के हो रहा था कारोबार

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में मिलावट-खोरी के विरोध में अभियान जारी है। गुरुवार को खाद्य सुरक्षा विभाग ने तिवारीपुर थाना क्षेत्र में एक गोदाम पर छापा मारकर 4.77 क्विंटल साबुत काली मिर्च सीज कर दिया है। इसकी अनुमानित कीमत लगभग 3.4 लाख है। इस काली मिर्च में हानिकारक रंग मिलाने की आशंका है। सैंपल लेकिर विभाग ने जांच के लिए भेज दिया है।

खाद्य सुरक्षा विभाग को यह जानकारी मिली थी कि तिवारीपुर क्षेत्र में कुछ लोग मिलावट का धंधा कर रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर टीम थाना क्षेत्र के मोहनलालपुर नाले के पास स्थित गोदाम पहुंची थी। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुधीर कुमर राय के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरुण कुमार मिश्र,

नागेंद्र एवं नरेंद्र गोदाम की औचक जांच के लिए पहुंचे। वहां साबुत काली मिर्च रखी थी। मौके पर प्रतिष्ठान के विक्रेता नीरज कुमार मद्धेशिया पुत्र दानी प्रसाद उपस्थित मिले। उनसे जब लाइसेंस मांगा गया तो वह परिसर का कोई लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सके। प्राथमिक जांच में इस आशंका को बल मिला है कि वहां मौजूद काली मिर्च में हानिकारक रंग मिलाया गया है।

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा डा. सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर गोदाम परिसर की औचक जांच की गई। जिसमें लगभग 4 क्विंटन 77 किलो काली मिर्च बरामद किया गया।

पात्र महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के लिए ग्राम पंचायत स्तर तक चलेगा व्यापक अभियान

03 करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने का लक्ष्य

- उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर प्रदेश में 15 दिवसीय विशेष अभियान शुरू
- महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को मिलेगी नई गति, घर-घर चलाया जाएगा जागरुकता अभियान

अभियान से संबंधित फोटो, वीडियो एवं अन्य गतिविधियों का नियमित रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया जाएगा। प्रत्येक सात दिवस की प्रगति रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रस्तुत करने के साथ मिशन मुख्यालय को भी उपलब्ध कराई जाएगी।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं ग्राम्य विकास मंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में प्रदेश की पात्र महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जोड़ने के लिए 15 दिवसीय विशेष सोशल मोबिलाइजेशन अभियान प्रारंभ किया गया है। उप मुख्यमंत्री ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में 03 करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के लक्ष्य को निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाए। इसके लिए सभी जनपदों को लक्ष्य आवंटित कर अभियान को मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक एवं वित्तीय सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। समूहों से जुड़ने पर महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं, ऋण एवं वित्तीय सहायता, कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार, आजीविका संवर्धन तथा सामाजिक नेतृत्व जैसे अनेक अवसर प्राप्त होते हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अभियान के अंतर्गत जीरो पावर्टी, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं पात्र गृहस्थी योजना के ग्रामीण राशन कार्डधारक परिवारों, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों, विधवा पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल योजना से आच्छादित परिवारों की पात्र महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाएगा।

व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा

इसके लिए जनपद, विकास खंड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। रैली, गोष्ठी, घर-घर संपर्क, जनसंवाद तथा सोशल मीडिया सहित विभिन्न सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को समूहों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार समूह सखी द्वारा जोड़े गए प्रत्येक परिवार का तत्काल सखी एप पर अंकन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही पूर्व में जुड़े ऐसे परिवारों का भी अंकन किया जाएगा जिनका विवरण अभी तक एप पर दर्ज नहीं हो सका है।

> अभियान को सफल बनाने के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तर पर अधिकारियों एवं मिशन कर्मियों की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर समूह सखी, स्वास्थ्य सखी, आजीविका सखी, आईसीआरपी, ग्राम संगठन की उप समितियां तथा सक्रिय समूह सदस्य कोटेदारों के सहयोग से घर-घर संपर्क कर पात्र महिलाओं की सहमति प्राप्त करेंगे तथा उन्हें स्वयं सहायता समूहों से जोड़ेंगे।

भव्य पुष्पवर्षा की यादें हुई ताजा

आस पास के विभिन्न जनपदों से आने वाले लाखों कांवड़िए भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर रहे

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सावन माह में आस्था के प्रमुख केंद्र लोधेश्वर महादेव धाम में इन दिनों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। ऐसे में आस पास के विभिन्न जनपदों से आने वाले लाखों कांवड़िए भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर रहे हैं। इसी बीच शिवभक्तों और स्थानीय लोगों के बीच एक बार फिर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। वर्ष 2023 और 2025 में हुए भव्य आयोजन को याद करते हुए श्रद्धालु इस बार भी सावन के दूसरे या तीसरे सोमवार को ऐसी ही पुष्पवर्षा की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

वर्ष 2023 में पहली बार लोधेश्वर धाम में हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई थी। उस समय लखनऊ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीयूष मोर्डिया, तत्कालीन जिलाधिकारी अविनाश कुमार और पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों और श्रद्धालुओं पर पुष्प बरसाकर उनका अभिनंदन किया था। पहली बार हुए इस आयोजन ने लाखों श्रद्धालुओं का मन मोह लिया था और इसकी तस्वीरें व वीडियो पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बने थे। श्रद्धालुओं ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय पल बताया था। इस वर्ष भी सावन के अवसर पर लोधेश्वर धाम में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जबकि सोमवार को यह संख्या लाखों तक पहुंच जाती है।

दूसरी बार भी यह परंपरा दोहराई गई

वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर दूसरी बार भी यह परंपरा दोहराई गई। तत्कालीन जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने हेलीकॉप्टर से गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर शिवभक्तों का स्वागत किया। जैसे ही आसमान से फूल बरसने लगे, पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।

> लोधेश्वर धाम में हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा केवल एक आयोजन नहीं बल्कि शिवभक्तों के सम्मान और उनकी आस्था को नमन करने का प्रतीक बन चुकी है। यही कारण है कि जैसे-जैसे सावन आगे बढ़ रहा है, श्रद्धालुओं के बीच यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि यदि प्रशासन और शासन स्तर से अनुमति मिली तो इस वर्ष भी आसमान से फूलों की वर्षा का भव्य नजारा देखने को मिल सकता है।

टीकाकरण अभियान, 5 व 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को लगाए गए टीके

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। विकासखंड सूरतगंज क्षेत्र के पिपरी महार स्थित चंद्रोदय इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को भारत सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों के अनुरूप एक दिवसीय नियमित टीकाकरण अभियान का सफल आयोजन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज के सहयोग से आयोजित इस अभियान में विद्यालय के 5 एवं 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निर्धारित टीके लगाए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को गंभीर संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखने के साथ-साथ अभिभावकों में नियमित टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। टीकाकरण अभियान के दौरान एएनएम ललिता मिश्रा एवं आशा कार्यकत्री रीता सिंह की टीम ने विद्यालय पहुंचकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसके बाद 5 वर्ष की

आयु पूर्ण कर चुके बच्चों को डीपीटी (डिप्थीरिया, काली खांसी एवं टिटनेस) का बूस्टर टीका लगाया गया, जबकि 10 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों को टीडी (टिटनेस एवं डिप्थीरिया) का टीका लगाया गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने बच्चों को टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि समय पर लगाए गए टीके बच्चों को अनेक गंभीर बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि विद्यार्थियों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण,

टीकाकरण, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर मुकुल मिश्रा, मृदुल मिश्रा, ऑफिस सुपरिटेंडेंट उत्तम पाण्डेय, एडमिशन सेल प्रमुख अनिकेत अवस्थी, कोऑर्डिनेटर माही सिंह एवं विभांशु सिंह सहित विशाल सिंह, अर्चना, वर्तिका, प्राची, वंशिका, शिवानी, संध्या, सिमरन, कीर्ति और आकृति सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। सभी ने स्वास्थ्य विभाग की टीम का सहयोग किया और बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

बाराबंकी पहुंचे सनी देओल करण देओल और प्रीति जिंटा
फिल्म 'बंटवारा 1947' का किया प्रमोशन, छात्रों से की बात

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में श्री रामस्वरूप मेमोरियल इंस्टिट्यूट में फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे कार्यक्रम में अभिनेता सनी देओल, करण देओल और अभिनेत्री प्रीति जिंटा पहुंचे। छात्र-छात्राओं से बात की। कलाकारों के आगमन पर परिसर में उत्साह का माहौल रहा।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति इं. पंकज अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों ने फिल्म की कहानी, भारत विभाजन की त्रासदी और उससे जुड़े मानवीय पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि 'बंटवारा 1947' केवल एक ऐतिहासिक घटना पर आधारित फिल्म नहीं, बल्कि मानवीय रिश्तों,

संवेदनाओं और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाली कहानी है।

संवाद सत्र के दौरान छात्र-छात्राओं ने फिल्म निर्माण, अभिनय, बॉलीवुड में करियर और कलाकारों के व्यक्तिगत अनुभवों से जुड़े कई सवाल पूछे। कलाकारों ने अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान सनी देओल ने अपनी सुपरहिट फिल्म 'गदर' का मशहूर संवाद सुनाया। उनका संवाद सुनते ही सभागार तालियों और उत्साह से गूंज उठा। विद्यार्थियों ने कलाकारों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

उत्साह : भाजपा नेताओं ने संत रविदास व बाबा साहब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

कलश यात्रा का सूरतगंज में भव्य स्वागत

- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एमएलसी अंगद सिंह ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने समाज को जोड़ने, समानता स्थापित करने और जाति-पांति से ऊपर उठकर मानवता की सेवा का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और सामाजिक समरसता की दिशा में मार्गदर्शक हैं।

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 650वें प्रकटोत्सव के पावन अवसर पर प्रदेशभर में निकाली जा रही कलश यात्रा के क्रम में शुक्रवार को बाराबंकी जनपद की कलश यात्रा सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र पहुंची। यात्रा का रथ कुतलूपुर, हाथोईया, पहाड़पुर, तेलवाय और सूरतगंज सहित विभिन्न गांवों से होकर गुजरा, जहां श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों तथा भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह, श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ यात्रा का भव्य स्वागत किया। यात्रा के सूरतगंज पहुंचने पर बड़ी संख्या में लोगों ने पुष्प वर्षा कर संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के जयकारे लगाए। वातावरण भक्तिमय हो उठा और सामाजिक समरसता, समानता एवं भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बाराबंकी के एमएलसी अंगद सिंह, पूर्व एमएलसी हरगोविंद सिंह, भाजपा नेत्री अल्का मिश्रा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शेखर हयारण, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुशील वर्मा, प्रशासक प्रतिनिधि मुकुंद सिंह, छोटू सिंह, शाहजाराम गौतम सहित अन्य गणमान्य लोगों ने सामूहिक रूप से संत गुरु रविदास महाराज एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूर्व एमएलसी हरगोविंद सिंह ने कहा कि संत रविदास ने आडंबर, भेदभाव और ऊंच-नीच से दूर रहकर सच्ची भक्ति, ईमानदारी और मानव सेवा का मार्ग दिखाया। उनका जीवन समाज में सद्भाव और समानता की मिसाल है। कार्यक्रम के दौरान संत रविदास महाराज के जीवन, उनके आध्यात्मिक एवं सामाजिक योगदान तथा समरस समाज की अवधारणा पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया।

संत रविदास के समतामूलक समाज के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

भाजपा नेत्री अल्का मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संत रविदास महाराज के आदर्शों को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाएं पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है, जो संत रविदास के समतामूलक समाज के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

गोविंद साहब धाम से योगी का बड़ा संदेश, 706.80 करोड़ की विकास परियोजनाएं, राजकीय मेले का ऐलान

धार्मिक मंच से विकास का एजेंडा

शिलान्यास

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। पूर्वांचल के प्रमुख धार्मिक और आध्यात्मिक स्थल गोविंद साहब धाम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विकास और विरासत को साथ लेकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। कटका थाना क्षेत्र स्थित गोविंद साहब मठ परिसर में आयोजित जनसभा में उन्होंने 706.80 करोड़ रुपये की लागत वाली 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी वितरित किया और जिले के विकास को लेकर कई अहम घोषणाएं कीं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों को सहायता राशि के चेक वितरित किए। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लाभार्थियों को चेक और स्कूली बैग दिए गए। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी), कृषि विभाग की योजनाओं और कृषि यंत्रीकरण योजना के लाभार्थियों को सहायता उपलब्ध कराई गई। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों को गृह प्रवेश की चाभी सौंपी गई। इसके अलावा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और मेधावी छात्र-छात्राओं के लाभार्थियों को भी सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर, भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी, जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

स्वदेशी आंदोलन का किया उल्लेख

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 7 अगस्त 1905 को देश में स्वदेशी आंदोलन का संदेश दिया गया था। उन्होंने खादी और हथकरघा से जुड़े कारीगरों के योगदान का भी उल्लेख किया और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की बात कही।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने गोविंद साहब धाम को पूर्वांचल की आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि यहां हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसी को देखते हुए गोविंद साहब मेले को अब राजकीय मेले का दर्जा दिया जाएगा। इससे मेले के आयोजन और सुविधाओं का विस्तार होगा।

जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री ने मंच से कई जनप्रतिनिधियों का उल्लेख भी किया। 706.80 करोड़ रुपये की परियोजनाओं, गोविंद साहब मेले को राजकीय दर्जा देने की घोषणा और नॉर्थ कॉरिडोर से जोड़ने के संकेत के साथ मुख्यमंत्री का यह दौरा अम्बेडकरनगर के विकास और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

विकास के साथ नॉर्थ कॉरिडोर का भी दिया संकेत

मुख्यमंत्री ने कहा कि अम्बेडकरनगर तेजी से विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिला पहले ही दो एक्सप्रेस-वे से जुड़ चुका है। अब अम्बेडकरनगर को नॉर्थ कॉरिडोर से जोड़ने की दिशा में भी काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मांग स्थानीय जनप्रतिनिधियों की ओर से रखी गई थी और सरकार इस पर आगे बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि पहले कटेहरी क्षेत्र के लिए करीब 1500 करोड़ रुपये की परियोजनाएं दी गई थीं। अब जलालपुर, आलापुर और टांडा विधानसभा क्षेत्रों के लिए 706.80 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं की शुरुआत की गई है।

फास्ट न्यूज

अकबरपुर नगर पालिका की अपील

अंबेडकरनगर। नगर पालिका परिषद अकबरपुर ने नगर क्षेत्र के सभी नागरिकों और सर्वसाधारण से अपील की है कि गृहकर, जलकर, जलमूल्य, लाइसेंस शुल्क या अन्य किसी प्रकार का भुगतान करते समय संबंधित कर्मचारी से अनिवार्य रूप से अधिकृत रसीद प्राप्त करें। नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि नगर पालिका परिषद का कोई कर्मचारी किसी भी प्रकार के कर अथवा शुल्क की वसूली करता है, तो नागरिक बिना रसीद लिए किसी भी प्रकार की धनराशि का भुगतान न करें।

अखिलेश यादव ने भाजपा पर कसा तंज

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा गुरुवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर में संबोधन के दौरान अव्यवस्थाओं का मुद्दा उठाने को लेकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। राज्यपाल ने अपने संबोधन में पं. दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय और मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्रावासों की बदहाली और बाहर से खाने मंगाने पर सवाल उठाते हुए कहा था कि बाहर से टिफिन में ड्रग्स और दारू भी आती है। राज्यपाल ने यह भी कहा था कि खाने की सैंपल की लखनऊ ले जाकर जांच कराएंगे, क्योंकि कहीं सैंपल बदल न जाए, गुजरात में भी कई बार सैंपल बदल जाता था।

यूपी के परिषदीय स्कूलों में बड़ा बदलाव

लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत प्रदेश के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों, कंपोजिट विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में इस शैक्षिक सत्र से 10 बैगलेस डे आयोजित किए जाएंगे। अगस्त से नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को विद्यार्थियों के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण होगा, जबकि 14 नवंबर को सभी विद्यालयों में बाल मेला आयोजित किया जाएगा।

विद्यालय में प्रधानाध्यापक पद का विवाद खत्म जगदीश यादव ने संभाला कार्यभार

बीएसए के निर्देश पर हुई कार्रवाई, खंड शिक्षा अधिकारी ने सौंपी जिम्मेदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कटेहरी शिक्षा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय कुड़िया चितौना में प्रधानाध्यापक पद को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद समाप्त हो गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर खंड शिक्षा अधिकारी ने वरिष्ठ सहायक अध्यापक जगदीश यादव को प्रधानाध्यापक का कार्यभार सौंप दिया। इसके साथ ही विद्यालय में प्रशासनिक स्थिति स्पष्ट हो गई।

विद्यालय में अब तक राम पलट सिंह प्रधानाध्यापक के रूप में कार्यभार संभाल रहे थे। दूसरी ओर, वरिष्ठ सहायक अध्यापक जगदीश यादव ने नियमानुसार स्वयं को प्रधानाध्यापक पद का पात्र बताते हुए कार्यभार दिए जाने की मांग की थी। इस संबंध में उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई थी।

मामला संज्ञान में आने के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने प्रकरण की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद विभागीय स्तर पर प्रक्रिया पूरी की गई और प्रधानाध्यापक पद को लेकर बनी स्थिति स्पष्ट की गई।

निर्देश के बाद खंड शिक्षा अधिकारी विद्यालय पहुंचे और विभागीय प्रक्रिया पूरी कर वरिष्ठ सहायक अध्यापक जगदीश यादव को प्रधानाध्यापक का कार्यभार सौंप दिया। कार्यभार ग्रहण होने के साथ ही विद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था को नियमित रूप से संचालित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई। विभागीय अधिकारियों ने विद्यालय में शिक्षण कार्य को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। उनका कहना है कि विद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था और शैक्षणिक गतिविधियां निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित की जाएंगी।

'पीट देगा अहीर, पीट देगा अल्पसंख्यक'

राजभर बोले- सपा के समीकरण में परिवारवाद हावी, पेपर लीक के आरोपों पर भी किया पलटवार

आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। गोविंद साहब धाम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने सपा के PDA समीकरण पर तंज कसते हुए कहा, ₹पीट देगा अहीर, पीट देगा अल्पसंख्यक।

राजभर ने आरोप लगाया कि सपा जिस PDA की बात करती है, उसमें सामाजिक न्याय से ज्यादा परिवार-वाद हावी है। उन्होंने कहा कि सपा की राजनीति में परिवार को प्राथमिकता दी जाती रही है।

ओमप्रकाश राजभर ने आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान पार्टी नेताओं पर गांव-गांव जाकर नौकरी बेचने के आरोप लगते थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी वाले कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री का बयान सियासी तौर पर चर्चा में रहा। उन्होंने पीडीए, पेपर लीक और भर्ती प्रक्रिया जैसे मुद्दों के जरिए सपा को घेरने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि अब वही लोग भर्ती प्रक्रिया और पेपर लीक को लेकर सवाल उठा रहे हैं। राजभर ने कहा कि वर्तमान सरकार में बिना रिश्वत के करीब 9 लाख सरकारी नौकरियां देने का काम किया गया है। राजभर ने कहा कि सपा का PDA नारा केवल राजनीतिक रणनीति है। उन्होंने दावा किया कि सरकार की योजनाओं का लाभ सभी वर्गों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार, गरीबों को योजनाओं का लाभ और आम लोगों को बेहतर सुविधाएं देना सरकार की प्राथमिकता है।

गोविंद साहब धाम की जनसभा में जहां विकास योजनाओं की चर्चा हुई, वहीं मंच से राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी प्रमुख मुद्दा बने रहे।

पेपर लीक पर राजभर का पलटवार

प्रभारी मंत्री ने सपा नेताओं के पेपर लीक के आरोपों पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आज सपा नेता दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश तक भर्ती परीक्षाओं को लेकर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन उनके शासनकाल में परीक्षा व्यवस्था पर लगातार सवाल उठते रहे।

राजभर ने आरोप लगाया कि सपा सरकार के समय नकल का बोलबाला था। प्रश्नपत्रों की खरीद-फरोख्त और परीक्षा में गड़बड़ी जैसी शिकायतें सामने आती थीं। उन्होंने कहा कि उस दौर में ऐसी स्थिति थी कि प्रश्नपत्र लेकर घर चले जाने और खेतों में बैठकर परीक्षा लिखने जैसी बातें सुनने को मिलती थीं। उन्होंने कहा कि आज भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है और युवाओं को योग्यता के आधार पर अवसर दिए जा रहे हैं।

एकतरफा प्रेम में कंडक्टर की हत्या

जिला एवं सत्र न्यायालय का फैसला, खलासी असलम दोषी करार

- बस से उतरने के बाद लापता हुआ था कंडक्टर
- झाड़ियों में मिला था शव, जांच के बाद हुई गिरफ्तारी
- गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर सुनाया फैसला

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। वर्ष 2020 में निजी बस के कंडक्टर उपेंद्र कुमार उर्फ लाला की हत्या के मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय ने आरोपी मोहम्मद असलम को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर छह हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार हत्या की वजह एकतरफा प्रेम था।

अभियोजन के अनुसार, सम्मनपुर थाना क्षेत्र के मुस्तफाबाद गंगिला निवासी उपेंद्र कुमार उर्फ लाला निजी बस में कंडक्टर था। 22 सितंबर 2020 को वह बस से लखनऊ से लौटने के बाद अकबरपुर के तहसील तिराहे पर बस के खलासी मोहम्मद असलम के साथ उतरा था।

घर पहुंचने से पहले उपेंद्र ने अपनी पत्नी शाहिदा बानो से फोन पर बात की थी। उसने खाना तैयार रखने की बात कहते हुए जल्द घर आने की जानकारी दी थी। इसके बाद वह घर नहीं पहुंचा।

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन की ओर से पेश किए गए गवाहों और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण किया। साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने मोहम्मद असलम को हत्या का दोषी माना।

जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश चंद्रोदय कुमार ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही छह हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड जमा नहीं करने की स्थिति में नियमानुसार अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

गुमशुदगी के बाद हत्या का मामला आया सामने

उपेंद्र के घर नहीं लौटने पर 25 सितंबर 2020 को शाहिदा बानो ने अकबरपुर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि असलम गांव में लोगों से कह रहा था कि उसने अपना बदला ले लिया है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि पहले असलम की शादी की बात शाहिदा बानो से चल रही थी। बाद में शाहिदा ने उपेंद्र से प्रेम विवाह कर लिया था। अभियोजन ने इसी को हत्या की वजह बताया।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। 26 सितंबर 2020 को अकबरपुर के जौहरडीह क्रॉसिंग के पास झाड़ियों से उपेंद्र का शव बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी असलम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। विवेचना पूरी होने के बाद अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया।

40 फीट गहरे गड्ढे में समाए दो मकानों के हिस्से

वाराणसी में अपार्टमेंट की खोदाई के दौरान हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में बारिश के बीच सुसवाही क्षेत्र में निर्माणाधीन अपार्टमेंट के बेसमेंट के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में दो मकानों के हिस्से गिर गए। इससे लोगों में अफरा तफरी मच गई। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने निर्माण कार्य में लगे तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। स्थानीय निवासी बृजेश राय ने बताया कि उनके मकान का मुख्य गेट और दीवार का एक हिस्सा निर्माणाधीन अपार्टमेंट के लिए खोदे गए गड्ढे में समा गया। उनके अनुसार, पिछले चार महीने से यहां 'शिवोहम' नाम से अपार्टमेंट का निर्माण चल रहा है।

बेसमेंट के लिए करीब 40 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया है, जिसमें लगातार बारिश के कारण पानी भर गया था। इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रखा गया। बृजेश राय ने बताया कि गुरुवार रात करीब एक बजे अचानक तेज आवाज हुई। बाहर निकलकर देखा तो उनके मकान का गेट और दीवार का हिस्सा गड्ढे में गिर चुका था। इसी दौरान पड़ोसी मायाशंकर के मकान की एक दीवार भी ढह गई। घटना के बाद दोनों परिवारों में दहशत का माहौल है। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

खुशी : अध्यक्ष बने सुनील यादव, मंत्री पद पर अनिल कुमार वर्मा विजयी

बार एसोसिएशन चुनाव में बदला नेतृत्व

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में अधिवक्ताओं ने नए नेतृत्व पर भरोसा जताया। बृहस्पतिवार देर शाम मतगणना पूरी होने के बाद परिणाम घोषित किए गए। अध्यक्ष पद पर सुनील यादव ने जीत दर्ज की, जबकि मंत्री पद पर अनिल कुमार वर्मा विजयी रहे। नतीजे घोषित होते ही बार परिसर में समर्थकों की भीड़ जुट गई। विजयी प्रत्याशियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया और मिठाई बांटकर खुशी मनाई गई।

मंत्री पद के चुनाव में अनिल कुमार वर्मा को सबसे अधिक 650 मत मिले। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजनारायण गिरी को 391 मत प्राप्त हुए। अनिल कुमार वर्मा ने 259 मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

बार एसोसिएशन चुनाव में कुल 1704 अधिवक्ता मतदाता थे। इनमें से 1504 ने मतदान किया। मतदान के बाद मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई। देर शाम चुनाव अधिकारियों ने सभी प्रमुख पदों के परिणाम घोषित किए।

इस पद के अन्य प्रत्याशियों में विनय कुमार तिवारी को 237, सुधांशु कुमार पांडेय को 101, महावीर जायसवाल को 64, रमेश लाल तिवारी को 39, देवतादीन गौड़ को 38 और राकेश कुमार चतुर्वेदी को 10 मत मिले।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील यादव और मंत्री अनिल कुमार वर्मा ने अधिवक्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि बार एसोसिएशन की गरिमा बनाए रखना, अधिवक्ताओं के सम्मान की रक्षा करना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाएगा। संगठन की एकता को भी मजबूत बनाया जाएगा।

अध्यक्ष पद पर सुनील यादव के पक्ष में सबसे अधिक मत

अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में सुनील यादव को 589 मत मिले। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी संजय त्रिपाठी को 480 मत प्राप्त हुए। इस तरह सुनील यादव ने 109 मतों के अंतर से जीत दर्ज कर अध्यक्ष पद अपने नाम किया। अध्यक्ष पद के अन्य प्रत्याशियों में अनिल कुमार द्विवेदी को 240, मोहन लाल को 224 और योगेंद्र प्रताप सिंह को 23 मत मिले।

लखनऊ मेयर ने पार्षदों के समर्थन का पत्र सौंपा

लखनऊ। लखनऊ में मेयर सुषमा खर्कवाल ने पार्षदों के समर्थन वाला पत्र भाजपा संगठन और मंत्रियों को सौंपा है। इसमें मेयर के कैंप कार्यालय पर परेड करने के बाद समर्थन देने वाले पार्षदों के सिग्नेचर हैं। दरअसल, नगर निगम के उपाध्यक्ष पद पर मेयर ने भाजपा संगठन से सलाह नहीं ली। इस पद पर अपने करीबी सुशील कुमार तिवारी (पम्मी) का नाम घोषित कर दिया था। इसके बाद महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं की सहमति के बाद मेयर को कारण बताओ नोटिस भेजा था। इस नोटिस पर मेयर ने जवाब दिया है। भेजे गए पत्र में कह गया कि पार्टी के 60 से अधिक पार्षद उनके समर्थन में हैं। ऐसे में सभी के निर्णय से उन्होंने फैसला लिया है। इसमें जरूरत के हिसाब से क्षेत्रों में विकास कार्य कराने और बिना पक्षपात पूर्व रवैया अपनाए काम करने की बात भी शामिल है।

स्टे वायर में उतरा करंट तीन वर्षीय बच्ची झुलसी बड़ागांव में हादसा

ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का लगाया आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज क्षेत्र के बड़ागांव में बिजली के खंभे को सहारा देने वाले स्टे वायर में करंट उतर आने से तीन वर्षीय बच्ची घायल हो गई। हादसे के बाद परिजन उसे तुरंत उपचार के लिए अस्पताल ले गए। घटना के बाद गांव में बिजली व्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी है।

ग्रामीणों के अनुसार बच्ची खेलते समय स्टे वायर के संपर्क में आ गई। उसी दौरान उसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। करंट लगते ही बच्ची घायल हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और अस्पताल ले गए।

ग्रामीणों का कहना है कि स्टे वायर में करंट उतरने की आशंका लंबे समय से बनी हुई थी। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं कराया गया। उनका आरोप है कि समय रहते आवश्यक कार्रवाई होती तो यह हादसा टाला जा सकता था।

जुनैद खान, दाऊद खान, मारूफ खान, अरबाज खान सहित अन्य ग्रामीणों ने गांव की सभी बिजली लाइनों और खंभों की तकनीकी जांच कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने मामले में जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग उठाई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित अवर अभियंता रविंद्र कुमार ने बिजली कर्मियों की टीम को मौके पर भेजा। टीम ने जांच के दौरान स्टे वायर में आई खराबी को दूर किया और विद्युत व्यवस्था को सुरक्षित किया। इसके बाद क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने पूरे गांव के बिजली खंभों, स्टे वायर और अन्य विद्युत उपकरणों की तकनीकी जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि समय-समय पर सुरक्षा परीक्षण और मरम्मत होने से ऐसे हादसों की आशंका कम हो सकती है।

सम्पादकीय

एनटीए में सुधार

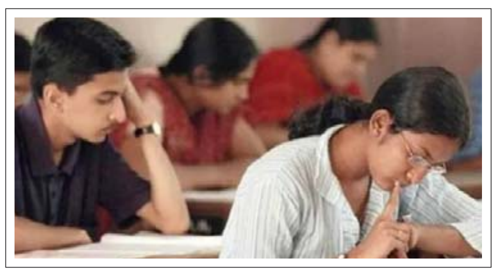

मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट के पेपर लीक होने के बाद इसे आयोजित कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के कामकाज में सुधार किया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य हो गया है।

यह ठीक है कि बीते दिनों एनटीए के लिए अस्थायी रूप से काम करने वाले कई अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हटाया गया और उसके प्रशासनिक ढांचे को मजूबत बनाने के लिए महाप्रबंधक तथा उसके समकक्ष स्तर के पदों की भर्ती के कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन उचित यह होगा कि इन कदमों के संदर्भ में नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में परीक्षा सुधार के लिए गठित टास्क फोर्स से भी विचार-विमर्श किया जाए। और भी उचित यह होगा कि इस टास्क फोर्स को अपना काम शीघ्र शुरू करने को कहा जाए। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि यह टास्क फोर्स अपनी सिफारिशें कब तक देगा।

इसके लिए कोई समयसीमा तय की जानी चाहिए। आवश्यक यह भी है कि उसकी ओर से जो सुझाव दिए जाएं, उन पर यथाशीघ्र अमल सुनिश्चित किया जाए। यह एक तथ्य है कि एनटीए के कामकाज में सुधार के लिए राधाकृष्णन समिति ने जो सुझाव दिए थे, उन सभी पर अमल नहीं किया गया। इसी तरह शिक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति की सिफारिशों पर भी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। शायद इस सबका ही परिणाम यह रहा कि एनटीए नीट के साथ अन्य केंद्रीय परीक्षाओं में गड़बड़ी को रोकने में नाकाम रही। इसी नाकामी का नतीजा छात्रों के उस आंदोलन के रूप में सामने आया, जिसके चलते शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा। इस त्यागपत्र के बाद पेपर लीक रोधी कानून में संशोधन कर उसे और कठोर भी बनाया गया। निःसंदेह परीक्षाओं में सेंध लगाने वाले तत्वों को हतोत्साहित करने के लिए संबंधित कानून को कठोर करना ही चाहिए, क्योंकि देश में एक पेपर लीक माफिया पैदा हो गया है, लेकिन इसी के साथ इसके उपाय भी करने चाहिए, जिससे पेपर लीक ही न हो सके। ऐसा तब होगा, जब एनटीए और इस जैसी अन्य संस्थाओं की कार्यप्रणाली में अपेक्षित बदलाव होंगे। यह साधारण बात नहीं कि पिछले कुछ समय से प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ स्कूली परीक्षाओं में भी सेंध लग रही है। इसे देखते हुए परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं को न केवल उन्नत तकनीक को अपनाना चाहिए, बल्कि प्रश्नपत्रों के कई सेट तैयार करने जैसे कदम भी उठाने चाहिए। नीट जैसी जिन प्रतियोगी परीक्षाओं में लाखों छात्र बैठते हैं, उन्हें वर्ष में कम से कम दो बार आयोजित करने पर विचार किया जाना चाहिए। आवश्यक केवल यह नहीं है कि एनटीए की कार्यप्रणाली सुधरे, बल्कि यह भी है कि किसी भी स्तर की परीक्षाएं आयोजित कराने वाली संस्थाओं का कामकाज ऐसा हो कि परीक्षार्थियों के मन में परीक्षाओं की शुचिता को लेकर कोई संदेह न रहे।

स्वयं को शांत रखें

हमारे जीवन में तुफान तो आते रहते है, ठहराव का जीवन व्यर्थ है। वह जिसके जीवन मे संघर्ष न हो, उसका जीवन बेअर्थ ही है। उसका ही जीवन धन्य है, जिसके मन मे विजय के गीत है। ज्ञान जीवन का यही है कि डर के आगे जीत है। किसी ने कहा हैं कि पथ में कांटे बहुत बिछे हैं, कैसे कदम बढ़ाऊंगा । लाख कोशिशें करके भी मैं, पीछे ही रह जाऊंगा । पीछे नहीं देखना मुड़के, ठान लिया है ये मैंने- बाधायें सब लांघ लक्ष्य को, हासिल कर मैं दिखलाऊंगा । हमको अपने जीवन में विपरीत परिस्थितियों में जब कुछ समझ ना आयें तब हम सबसे पहले स्वयं को शांत करें । ऐसी परिस्थिति में अमूमन हमारा दिमाग बहुत सारी नेगेटिव बातें सोचने लगता हैं जिससे हम बेचैन होने लगते हैं । हम स्वयं को शांत करने के लिए हमारा ध्यान या लंबे श्वास के प्रयोग का सहारा आदि- आदि ले सकतें हैं । वह हम स्वयं को शांत रखने के लिए किसी शांत जगह भी जा सकतें हैं । वह हम फिर थोड़ा सा आराम कर सकतें हैं । हम इससे भीतर से हल्का महसूस करेंगे और समाधान के बारें में अच्छे से सोच पांएगे । संयमित जीवन सुखी जीवन के लिए जरूरी है क्योंकि हमको शांति प्रदाता संयमित मन होता है । संयम यानि मन, वचन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखना हैं । वह स्वतः ही इन्द्रियों पर नियंत्रण होते ही असीम इच्छाओं से हमारा मन हट जाता है । ये इच्छाएं ही तो हमारे सारे दुःखों की जड़ हैं । हमारे द्वारा अनावश्यक व अखाद्य खाना, अनावश्यक व नकारात्मक सोचना और बोलना आदि- आदि ही तो असंयमित जीवन, दुःख को निमंत्रण आदि देना है। अतः हम संयम को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं । हमारे स्वतः ही जीवन साक्षात आनन्द का किस्सा बन जाएगा । हमको असंयमित जीवन हमेशा दुःख को न्योता देता है हम इससे कभी समझौता न करें । इंसान कभी टूटते हैं ,कभी बिखरते हैं , विपत्ति में और ज़्यादा निखरते हैं। हमें चुनौतियां तराशती हैं , वह तकलीफ़ों में भी हमको ज़िम्मेदारी समझाती हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

"प्रदेश सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था को अत्याधुनिक तकनीक से सशक्त बनाया है। यात्रा मार्गों पर बड़ी संख्या में पुलिस एवं पीएसी के जवानों की तैनाती की जाती है। संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन, कंट्रोल रूम और आधुनिक निगरानी प्रणाली के माध्यम से चौबीसों घंटे नजर रखी जाती है।

बोल बम की गूंज और सुशासन का संकल्प : उत्तर प्रदेश की कांवड़ यात्रा

भारत की सनातन संस्कृति में तीर्थयात्राएँ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि वे लोकजीवन की आत्मा, सामाजिक समरसता की आधारशिला और आध्यात्मिक चेतना की अक्षुण्ण परंपरा का सजीव स्वरूप हैं। इन्हीं पवित्र परंपराओं में श्रावण मास की कांवड़ यात्रा का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। भगवान भोलेनाथ के प्रति अगाध श्रद्धा से ओतप्रोत लाखों-करोड़ों श्रद्धालु पवित्र गंगा, यमुना और अन्य पावन नदियों से जल लेकर अपने आराध्य का जलाभिषेक करने निकलते हैं। उनके कदमों की गति में भक्ति का उल्लास, उनके कंधों पर विराजमान कांवड़ में अटूट विश्वास और उनके मुख से गूंजते ₹बोल बम₹ के उद्घोष में भारतीय संस्कृति की अमर चेतना साकार होती दिखाई देती है।

उत्तर प्रदेश, जहाँ काशी विश्वनाथ, बाबा बैद्यनाथ से जुड़े मार्ग, गढ़मुक्तेश्वर, प्रयागराज, अयोध्या, सोरों शूकरक्षेत्र, बिठूर, शुक्रताल और प्रदेश के हजारों प्राचीन शिवालय श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र हैं, कांवड़ यात्रा के दौरान एक विराट आध्यात्मिक उत्सव का स्वरूप धारण कर लेता है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौटने वाले लाखों शिवभक्त पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर पूर्वांचल तक हजारों किलोमीटर की यात्रा करते हुए प्रदेश के विविध शिवालयों में जलाभिषेक करते हैं। यह यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, सामाजिक सौहार्द और लोकआस्था का भव्य महापर्व है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा को श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। सरकार की स्पष्ट नीति रही है कि प्रत्येक शिवभक्त की आस्था का सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाए तथा यात्रा के प्रत्येक चरण में उसे सुरक्षा, सुविधा और गरिमा का अनुभव हो। इसी उद्देश्य से प्रशासनिक मशीनरी महीनों पहले से तैयारियों में जुट जाती है और शासन के सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करते हैं।

कांवड़ यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व यात्रा मार्गों का व्यापक सर्वेक्षण कराया जाता है। क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, पुलों की सुरक्षा जांच, जलभराव की समस्या का समाधान, मार्गों की सफाई, स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था तथा आवश्यक स्थानों पर अस्थायी विश्राम स्थलों का निर्माण समयबद्ध रूप से पूरा कराया जाता है। नगर निगम, नगर पालिका और ग्राम पंचायतों के माध्यम से यात्रा मार्गों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाता है ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो सके। पेयजल, मोबाइल शौचालय, स्नान एवं विश्राम की व्यवस्थाएँ यात्रा को अधिक सुगम बनाती हैं। यातायात पुलिस, स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें निरंतर समन्वय बनाकर कार्य करती हैं ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति का त्वरित समाधान किया जा सके। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मियों की विशेष तैनाती और सहायता केंद्रों की स्थापना भी की जाती है।

स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से भी कांवड़ यात्रा के दौरान व्यापक प्रबंध किए जाते हैं। यात्रा मार्गों पर अस्थायी चिकित्सा शिविर स्थापित किए जाते हैं, जहाँ चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, जीवनरक्षक दवाओं और एंबुलेंस की उपलब्धता चौबीसों घंटे सुनिश्चित रहती है। हीट स्ट्रोक, थकान, निर्जलीकरण अथवा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाती है। आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों से भी जोड़ा जाता है, जिससे गंभीर परिस्थितियों में शीघ्र उपचार संभव हो सके। कांवड़ यात्रा के सफल संचालन में उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए विस्तृत ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाता है। आवश्यकतानुसार रूट डायवर्जन लागू किए जाते हैं तथा आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए जाते हैं। विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया के माध्यम से समय-समय पर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की जाती है, जिससे लोगों को यात्रा संबंधी अद्यतन जानकारी प्राप्त होती रहती है। उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा को केवल सुरक्षा और सुविधा तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि इसे स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के अभियान से भी जोड़ा है। यात्रा मार्गों पर प्लास्टिक मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाते हैं। श्रद्धालुओं से अपील की जाती है कि वे स्वच्छता बनाए रखें तथा कूड़ा निर्धारित स्थानों पर ही डालें। नगर निकायों द्वारा नियमित सफाई, कचरा निस्तारण तथा सैनिटाइजेशन की व्यवस्था की जाती है। इस प्रकार कांवड़ यात्रा धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का भी संदेश देती है।

कांवड़ यात्रा सेवा, समर्पण और सामाजिक सहभागिता की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत करती है। यात्रा मार्गों पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं स्वयंसेवी संगठन विशाल सेवा शिविर लगाते हैं, जहाँ श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन, फल, पेयजल, शीतल पेय, प्राथमिक उपचार तथा विश्राम की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। अनेक स्थानों पर स्थानीय नागरिक स्वयं आगे बढ़कर कांवड़ियों की सेवा करते हैं। यह सेवा भावना भारतीय संस्कृति के ₹नर सेवा नारायण सेवा₹ के आदर्श को साकार करती है। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा धार्मिक पर्यटन को भी नई ऊँचाइयाँ प्रदान कर रही है। यात्रा मार्गों पर स्थित मंदिरों, धर्मस्थलों, स्थानीय बाजारों, होटल व्यवसाय, परिवहन सेवाओं तथा छोटे व्यापारियों को इस दौरान व्यापक आर्थिक गतिविधियों का लाभ मिलता है। हस्तशिल्प, धार्मिक सामग्री, स्थानीय उत्पाद और पारंपरिक व्यंजनों की मांग बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलती है। इस प्रकार कांवड़ यात्रा आध्यात्मिकता के साथ-साथ आर्थिक समृद्धि का भी माध्यम बनती है। प्रदेश सरकार द्वारा डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग ने यात्रा प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाया है। कंट्रोल रूम, हेल्पलाइन, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, ड्रोन सर्विलांस तथा त्वरित सूचना प्रणाली के माध्यम से प्रशासन प्रत्येक गतिविधि पर सतत निगरानी रखता है।

आदर अदीब पावेल बन्धु

मिशन के अंतर्गत...

आदर अदीब पावेल बन्

यूपी कौशल विकास मिशन : युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी पहल

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और जनसंख्या बहुल राज्य में युवाओं की बड़ी आबादी राज्य की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि इस युवा शक्ति को सही दिशा, प्रशिक्षण और अवसर मिले तो यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। इसी सोच के साथ उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से यूपी कौशल विकास मिशन की शुरुआत की। यह मिशन राज्य के युवाओं के लिए रोजगार, स्वरोजगार और तकनीकी दक्षता का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है।

यूपी कौशल विकास मिशन की उपलब्धियों पर दृष्टि डालें तो इसके सकारात्मक परिणाम स्पष्ट दिखाई देते हैं। वर्ष 2017-18 से मार्च 2025 तक मिशन के अंतर्गत लगभग 14.13 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है तथा 5.66 लाख से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराने में सहायता मिली है। इसके अतिरिक्त विभिन्न 40 से अधिक रोजगार मेलों के माध्यम से 77 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार अवसर उपलब्ध कराए गए। यह आंकड़े इस मिशन की प्रभावशीलता को दर्शाते हैं।

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल शैक्षिक डिग्री पर्याप्त नहीं मानी जाती, बल्कि रोजगार के लिए तकनीकी कौशल, व्यावसायिक

दक्षता और व्यवहारिक ज्ञान भी आवश्यक हो गया है। बड़ी संख्या में ऐसे युवा है, जो पढ़े-लिखे होने के बावजूद रोजगार से वंचित रह जाते हैं क्योंकि उनके पास बाजार की मांग के अनुरूप कौशल नहीं होता। इसी अंतर को समाप्त करने के लिए यूपी कौशल विकास मिशन की स्थापना की गई, ताकि युवाओं को उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा सके और उन्हें रोजगार योग्य बनाया जा सके।

मिशन के अंतर्गत प्रदेश में 2,800 से अधिक प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इन प्रशिक्षण केंद्रों में सूचना प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, रिटेल, स्वास्थ्य सेवा, ऑटोमोबाइल, निर्माण कार्य, ब्यूटी एवं वेलनेस, सिलाई-कढ़ाई, फूड प्रोसेसिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, पर्यटन, आतिथ्य सेवा, प्लंबिंग, विद्युत कार्य तथा कृषि आधारित गतिविधियों जैसे अनेक क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाता है। इस मिशन की एक बड़ी विशेषता यह है कि प्रशिक्षण केवल सैद्धांतिक नहीं बल्कि व्यवहारिक और उद्योग आधारित होता है। युवाओं को प्रैक्टिकल प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे वे कार्यस्थल की वास्तविक परिस्थितियों को समझ सकें। साथ ही संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास और सॉफ्ट स्किल्स पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है, ताकि प्रशिक्षित युवा इंटरव्यू और कार्यस्थल दोनों के लिए तैयार हो सकें।

यूपी कौशल विकास मिशन का एक प्रमुख उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। आज केवल सरकारी नौकरी पर निर्भर रहना व्यवहारिक नहीं है। ऐसे में कौशल आधारित प्रशिक्षण युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में भी प्रेरित करता है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद कई युवा स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर रहे हैं, जिससे वे वे न केवल अपनी आजीविका चला रहे हैं बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार दे रहे हैं। ग्रामीण युवाओं के लिए यह मिशन विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के सीमित अवसर होने के कारण बड़ी संख्या में युवा बेरोजगारी की समस्या से जूझते रहे हैं। लेकिन कौशल विकास मिशन ने गांवों के युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें नई संभावनाओं से जोड़ा है। अब ग्रामीण युवा तकनीकी दक्षता के साथ विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं या स्वरोजगार स्थापित कर रहे है। महिलाओं के सशक्तिकरण में भी यह मिशन उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 27 हजार से अधिक महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई और अन्य कौशलों में प्रशिक्षण देकर स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ाया गया है। इससे महिला उद्यमिता और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है। यूपी कौशल विकास मिशन उद्योगों और युवाओं के बीच सेतु का कार्य करता है। मिशन के अंतर्गत 24 प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों तथा 8 प्लेसमेंट एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है, जिससे प्रशिक्षण के बाद युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की प्रक्रिया और सुदृढ़ हुई है। राज्य सरकार द्वारा आईटीआई और तकनीकी प्रशिक्षण संस्थानों के सुदृढीकरण पर भी बल दिया जा रहा है।

योजना के...

डॉ0 सीमा गुप्ता

मुख्यमंत्री आवास योजना से शाहजहाँपुर की कमलजीत कौर को मिला सुरक्षा और सम्मान का पक्का घर

उत्तर प्रदेश में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े निराश्रित और वंचित वर्गों को पक्की छत उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश सरकार की 'मुख्यमंत्री आवास योजना' एक युगांतरकारी कदम साबित हो रही है। यह योजना मुख्य रूप से उन गरीब परिवारों को आच्छादित कर रही है, जो तकनीकी या अन्य कारणों से केंद्र सरकार की पूर्ववर्ती आवासीय योजनाओं के लाभ से वंचित रह गए थे। ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर को सुधारने और सामाजिक समानता स्थापित करने में इस पहल ने एक अत्यंत अहम भूमिका निभाई है, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण जनपद शाहजहाँपुर में देखने को मिलता है।

जनपद शाहजहाँपुर के विकास खण्ड खुटार स्थित ग्राम पंचायत महोलिया वीरान निवासी श्रीमती कमलजीत कौर (पत्नी श्री जगराज सिंह) मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की ऐसी ही एक प्रेरणादायी लाभार्थी हैं। कभी उनका परिवार एक कच्चे एवं जर्जर मकान में निवास करने को विवश था। बरसात, ठंड और गर्मी के मौसम में उनके लिए जीवन यापन करना अत्यंत कठिन हो जाता था तथा परिवार को हमेशा प्राकृतिक आपदाओं और असुरक्षा की चिंता सताती रहती थी।

प्रदेश सरकार की इस कल्याणकारी पहल के अंतर्गत श्रीमती कमलजीत कौर को पक्का आवास निर्माण हेतु 1.20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। इस सहायता से उन्होंने अपना पक्का घर बनवाया, जिससे उनके परिवार के जीवन में एक स्थिरता आ गई। श्रीमती कौर का मानना है कि यह योजना उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है, जिसने न केवल सिर पर छत दी है, बल्कि सम्मान और बेहतर भविष्य की नई आशा भी प्रदान की है।

इस योजना का सबसे मजबूत पक्ष विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं का अभिसरण (कन्वर्जेंस) है। श्रीमती कमलजीत कौर के नए आवास के साथ उनके परिवार को बिजली, सुरक्षित पेयजल, रसोई गैस कनेक्शन तथा शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं भी एक साथ प्राप्त हुई हैं। अब उनका परिवार एक सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण में रह रहा है, जिससे उनका दैनिक जीवन पहले की तुलना में कहीं अधिक सहज, सम्मानजनक एवं सुखद हो गया है।

प्रदेश सरकार ने इस योजना के तहत विशेष रूप से उन जनजातीय और अति-पिछड़े समुदायों को प्राथमिकता दी है, जो दशकों से विकास की मुख्यधारा से कटे हुए थे। वनटांगिया, मुसहर, कोल, सहरिया, थारू और नट समुदाय के साथ-साथ गंभीर बीमारियों से प्रभावित और प्राकृतिक आपदाओं में बेघर हुए परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाते हुए पक्के मकान मुहैया कराए जा रहे हैं।

योजना के तहत पारदर्शी वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए मैदानी क्षेत्रों में आवास निर्माण हेतु 1.20 लाख रुपये और नक्सल प्रभावित या दुर्गम क्षेत्रों में 1.30 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। यह पूरी धनराशि बिना किसी बिचौलिए के, सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से तीन किस्तों में भेजी जाती है।

जरा हटके

नई व्यवस्था के ...

आशिया खातून

छात्रवृत्ति वितरण की नई समय-सारिणी से लाखों विद्यार्थियों को समयबद्ध, पारदर्शी ढंग से वितरित होगी छात्रवृति

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष एवं शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के क्रियान्वयन को अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति वितरण हेतु विस्तृत समय-सारिणी निर्धारित की है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि समय पर मिले तथा पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले लाखों विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके भविष्य को संवारने का माध्यम है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के अनेक विद्यार्थी इसी सहायता के आधार पर अपनी पढ़ाई जारी रख पाते हैं। ऐसे में आवेदन से लेकर सत्यापन और भुगतान तक की प्रक्रिया का समयबद्ध होना अत्यंत आवश्यक है। सरकार द्वारा जारी नई समय-सारिणी इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।

नई व्यवस्था के अनुसार सबसे पहले प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों को अपने मास्टर डाटा को अद्यतन करना है। 22 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक शिक्षण संस्थान मास्टर डाटा तैयार करेंगे तथा नए संस्थानों को भी पोर्टल पर शामिल किया जाएगा। इसके बाद विश्वविद्यालय अथवा सम्बन्धित एजेंसी द्वारा 23 जुलाई से 30 अगस्त तक फीस, पाठ्यक्रम, सीटों तथा अन्य विवरणों का ऑनलाइन सत्यापन किया जाएगा। इसके उपरांत जिला समाज कल्याण अधिकारियों द्वारा 25 जुलाई से 14 सितंबर तक मास्टर डाटा का सत्यापन किया जाएगा।

यदि कोई निजी शिक्षण संस्थान अल्पसंख्यक वर्ग के

विद्यार्थियों के लिए पंजीकृत है, तो उसका राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल पर मैपिंग कार्य भी इसी अवधि में पूरा किया जाएगा। इस व्यवस्था से सभी शिक्षण संस्थानों का एकीकृत एवं प्रमाणित डाटा उपलब्ध होगा, जिससे भविष्य में त्रुटियों और अनियमितताओं की संभावना कम होगी। नवीनीकरण (त्मदमूंस) करने वाले विद्यार्थियों के लिए आवेदन प्रक्रिया 15 सितंबर से शुरू होगी। छात्र 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक आवेदन पत्र का नवीनीकरण कर सकेंगे। इसके बाद शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन करेंगे, उपस्थिति तथा परीक्षा परिणाम दर्ज करेंगे और पात्र विद्यार्थियों के आवेदन ऑनलाइन अग्रसारित करेंगे। विश्वविद्यालय और सम्बन्धित एजेंसियां वास्तविक छात्र संख्या, पाठ्यक्रम तथा संस्थानों का सत्यापन करेंगी ताकि केवल पात्र विद्यार्थियों को ही योजना का लाभ मिले। इसके पश्चात एनआईसी द्वारा पोर्टल पर उपलब्ध डाटा की तकनीकी जांच की जाएगी और किसी भी प्रकार की त्रुटि या संदेहास्पद जानकारी को चिन्हित किया जाएगा। यदि किसी आवेदन में त्रुटि या संदेह पाया जाता है, तो उसके लिए अलग समयावधि निर्धारित की गई है। जिला स्तरीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति ऐसे मामलों की जांच करेगी, आवश्यक संशोधन कराएगी और सही पाए जाने पर डाटा को लॉक किया जाएगा। इसके बाद एनआईसी द्वारा पुनः स्क्रूटनी की जाएगी ताकि अंतिम भुगतान से पहले सभी विवरण पूरी तरह प्रमाणित हो जाएं।

सभी स्तरों पर सत्यापन पूर्ण होने के बाद 1 दिसंबर से 10 दिसंबर 2026 के बीच नवीनीकरण वाले पात्र विद्यार्थियों के आधार-सीडेड बैंक खातों में छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि हस्तांतरित की जाएगी। इससे विद्यार्थियों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध हो सकेगी और उन्हें पढ़ाई के दौरान वित्तीय कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। नवीन (थ्तमी) विद्यार्थियों के लिए भी अलग और स्पष्ट समय-सारिणी निर्धारित की गई है। नए छात्र 15 सितंबर से 31 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी आवश्यक अभिलेखों सहित शिक्षण संस्थानों में जमा करनी होगी। इसके बाद संस्थान आवेदन पत्रों का सत्यापन कर पात्र विद्यार्थियों के आवेदन ऑनलाइन अग्रसारित करेंगे।

विश्वविद्यालयों एवं सम्बन्धित एजेंसियां वास्तविक छात्र संख्या का सत्यापन करेंगी तथा एनआईसी द्वारा तकनीकी स्क्रूटनी की जाएगी। यदि किसी आवेदन में त्रुटि पाई जाती है तो उसके सुधार के लिए भी निर्धारित समय दिया गया है। सभी जांच एवं अनुमोदन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद जनवरी 2027 के अंतिम सप्ताह में नवीन विद्यार्थियों के बैंक खातों में छात्रवृत्ति की धनराशि भेजी जाएगी। नई व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि प्रत्येक चरण के लिए स्पष्ट तिथि निर्धारित कर दी गई है। इससे विद्यार्थियों, शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों, जिला समाज कल्याण अधिकारियों तथा संबंधित विभागों की जिम्मेदारी तय हो गई है। समयसीमा का पालन होने से वर्षों से चली आ रही देरी और अनावश्यक लम्बित मामले नहीं होंगे। सभी पात्र छात्र-छात्राओं को समय से छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि मिल जायेगी।

नई प्रणाली में डिजिटल सत्यापन और आधार-सीडेड बैंक खातों के माध्यम से भुगतान की व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया गया है। इससे फर्जी लाभार्थियों पर रोक लगेगी, दोहरे भुगतान की संभावना समाप्त होगी तथा सरकारी धन का उपयोग केवल पात्र विद्यार्थियों के हित में सुनिश्चित होगा। यह समय-सारिणी केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल है।

योगी बोले-दोपहर 12 बजे उठते थे, 7 बजे महफिल जम जाती थी, अखिलेश यादव पर निशाना

बबुआ जीवन भर बच्चे ही बने रहेंगे : योगी

तंज

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । कुछ लोगों के साथ जीवन में एक शब्द ऐसा जुड़ जाता है, जिससे वे कभी पीछा नहीं छुड़ा पाते। कुछ लोग जीवन भर बच्चे ही बने रहते हैं। बबुआ भी ऐसे ही थे। दोपहर 12 बजे उठते थे, 2 बजे तक तैयार होते थे, 5 बजे जिम जाते थे और शाम 7 बजे महफिल जम जाती थी। फिर वे प्रदेश के विकास के बारे में कैसे सोचते? सीएम योगी ने शुक्रवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए ये बातें कहीं। वह लखनऊ में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा- 2017 से पहले प्रदेश की सत्ता संभालने वालों के पास विकास का कोई विजन नहीं था।

योगी ने कहा- जब सत्ता में बैठे लोगों की रुचि काम में नहीं होती, तो राज्य का बुरा हाल होना तय होता है। इसी गैर-जिम्मेदारी के कारण प्रदेश महीनों कर्फ्यू और दंगों की आग में जलता रहा। इंसेफेलाइटिस और डेंगू जैसी बीमारियों से मासूम बच्चों की मौतें होती थीं।

पहले बेसिक स्कूलों के बुरे हाल थे। न पीने के पानी का इंतजाम था और न टॉयलेट। आज स्कूलों में बैग, यूनिफॉर्म और आधुनिक सुविधाएं मिल रही हैं। पीएम मोदी के 'निपुण भारत अभियान' को जमीन पर उतारा जा रहा है। 2017 से पहले प्रदेश में न बिजली थी, न सड़कें और न कानून-व्यवस्था। बेटियां और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। जब बाजार वीरान रहेंगे, तो उसका असर हर कारीगर, महिला और युवा पर पड़ता है। पिछली सरकारों में विकास कार्यों में कोई दिलचस्पी नहीं थी, बस खानदान में लूट की होड़ मची रहती थी और महिलाओं की सुरक्षा के लिए वे खुद खतरा बने हुए थे।

> सीएम योगी ने अंत में कहा कि प्रदेश का बदलाव तब संभव होता है, जब मुख्यमंत्री खुद समय निकालकर हर जिले का दौरा करे और मंत्री ग्राउंड जीरो पर जाएं। हमारी सरकार में हर योजना बिना किसी भेदभाव और वोटबैंक की राजनीति के सीधे जनता तक पहुंच रही है।

हथकरघा और हस्तशिल्प को मिली नई पहचान

योगी ने बताया कि हथकरघा और पावरलूम उद्योग यूपी की महान विरासत हैं। इससे 30 लाख लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है, जिनमें 70% महिलाएं काम करती हैं। सरकार ने पिछले साल 40 हजार हस्तशिल्पियों को 109 करोड़ की बिजली सुविधा उपलब्ध कराई।

सीएम योगी ने राज्यस्तरीय समारोह को संबोधित किया। सपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

2017 से पहले वोटबैंक की राजनीति ने बिगाड़े हालात

सीएम ने कहा कि 2014 में देश और 2017 में यूपी में भाजपा की सरकार बनने से पहले भी कारीगरों के विकास के काम हो सकते थे, लेकिन इसके लिए सोच और विजन की जरूरत होती है।

अभ्यर्थियों के लिए संस्थान व ट्रेड विकल्प बदलने का मौका

9 से 12 अगस्त तक खुला रहेगा पोर्टल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में सत्र 2026-27 के प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग ने अभ्यर्थियों को अपने आवेदन पत्र में संस्थान और ट्रेड के विकल्प बदलने / बढ़ाने का अवसर प्रदान किया है।

व्यावसायिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव एवं एससीवीटी के अधिशासी निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया है कि राज्य में आईटीआई में प्रवेश की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 11 जुलाई 2026 से जारी है। डीजीटी भारत सरकार से प्राप्त डायनेमिक सीट मैट्रिक्स के आधार पर पोर्टल पर सीटें प्रदर्शित की गई हैं। उन्होंने बताया कि कुछ संस्थानों द्वारा पूर्व में मैप किए गए एनसीवीटी व्यवसायों की यूनिटों/सीटों को अनमैप किए जाने के कारण उन्हें एससीवीटी पाठ्यक्रम में परिवर्तित किया गया है, जिससे एससीवीटी पाठ्यक्रमों की सीटों में बढ़ोतरी हुई है। वहीं संस्थानों द्वारा छूटी हुई मैपिंग को पूरा करने से एनसीवीटी पाठ्यक्रमों में भी सीटें बढ़ी हैं।

अद्यतन सीट मैट्रिक्स के अनुसार सभी ऑनलाइन आवेदन करने वाले छात्र अपनी शैक्षिक योग्यता के आधार पर पोर्टल www.scvtup.in पर जाकर 09 अगस्त से 12 अगस्त 2026 के बीच अपने मनपसंद संस्थान और व्यवसाय के विकल्प को बदल सकते हैं या नए विकल्प जोड़ सकते हैं। विभाग द्वारा आवेदकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भी सूचना भेजी जा रही है, ताकि छात्रों को उनके पसंदीदा ट्रेड व संस्थान में प्रवेश का अधिकतम अवसर मिल सके।

फास्ट न्यूज

'10 साल बाद भी नहीं मिला पीएम आवास'

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम में शुक्रवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें लोगों ने अधिकारियों के सामने कई गंभीर समस्याएं रखीं। निशातगंज की भुइंयन देवी गोशाला से 9 गायों को जबरन घसीटकर ले जाने का आरोप लगाया गया। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2016 में आवास आवंटित होने के बावजूद 10 साल बाद भी घर नहीं मिलने की शिकायत सामने आई।

पंकज चौधरी-अमरमणि जिंदाबाद के नारे से डरा मधुमिता-सारा का परिवार

लखनऊ। राष्ट्रीय कवयित्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड के मुख्य दोषी पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की राजनीतिक सक्रियता बढ़ी है। इससे मधुमिता शुक्ला और अमरमणि के बेटे अमनमणि की पत्नी सारा सिंह का परिवार डरा हुआ है। मधुमिता की बहन निधि शुक्ला और सारा सिंह की मां सीमा सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेसवार्ता कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय और सुरक्षा की मांग की।

उन्होंने आरोप लगाया कि नौतनवा विधानसभा क्षेत्र में अमरमणि त्रिपाठी और अमनमणि त्रिपाठी के समर्थन राजनीतिक कार्यक्रम हुआ।

आशियाना में स्विफ्ट डिजायर कार में मिला शव

मोहनलालगंज। लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में सालेह नगर चौराहे पर गुरुवार रात करीब 11:57 बजे एक लावारिस स्विफ्ट डिजायर कार में एक व्यक्ति का शव मिला। कार को करीब 3 दिन सड़क किनारे खड़ी बताया जा रहा है। कार से जब तेज दुर्गंध आने लगी तो आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर आशियाना पुलिस मौके पर पहुंची।

न्यायालयों में लम्बित वादों का आपसी सुलह एवं समझौते से होगा का त्वरित निस्तारण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा द्वारा बताया गया कि उच्चतम न्यायालय मीडियेशन एवं कन्सिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी व राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण , नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण , लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा ₹मध्यस्थता अभियान 3.0 का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। यह अभियान 01 अगस्त 2026 से 30 दिसम्बर 2026 तक प्रभावी रहेगा। अभियान का उद्देश्य पक्षकारों के मध्य आपसी संवाद, सुलह एवं समझौते के माध्यम से विवादों का शीघ्र, कम खर्चीला एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। सचिव कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि मध्यस्थता एक स्वैच्छिक, गोपनीय एवं न्यायसंगत प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से पक्षकार अपनी सहमति से विवादों का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा से संबंधित मामले, मोटर दुर्घटना दावा वाद, चेक अनादरण से संबंधित मामले, आपराधिक समझौता योग्य मामले, वाणिज्यिक विवाद, उपभोक्ता विवाद, निष्पादन कार्यवाही मामले, ऋण वसूली के मामले, मध्यस्थता मामले, सेवा संबंधी मामले, विभाजन के मामले, बेदखली के मामले, भूमि अधिग्रहण मामले, ऋण वसूली अपीलीय अधिकरण (डी0आर0टी0) के मामले, श्रम अधिनियम मामले, अन्य उपयुक्त सिविल मामले, भूमि संबंधी उपयुक्त दीवानी विवाद तथा अन्य समझौता योग्य मामलों का निस्तारण मध्यस्थता के माध्यम से कराया जा सकता है।

विकसित एवं स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में चलेगा व्यापक नशामुक्ति अभियानः योगेंद्र उपाध्याय

शिक्षण संस्थानों के 500 मीटर दायरे में नशे की बिक्री पर रहेगी सख्त रोक

प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में प्रतिदिन दिलाई जाएगी दो मिनट की नशामुक्ति शपथ

हॉस्टलों और कैंटीनों में होंगे निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशामुक्त भारत के आह्वान को जनआंदोलन का स्वरूप देने तथा 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से विधानसभा परिसर में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की अध्यक्षता में प्रदेश के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों एवं परीक्षा नियंत्रकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उच्च शिक्षण संस्थानों में नशामुक्ति अभियान को प्रभावी, सतत एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना पर निर्णय लिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि युवा शक्ति ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है। यदि युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखा जाए तो प्रदेश और देश का भविष्य और अधिक सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार उच्च शिक्षण संस्थानों को केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण का आधार बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। नशामुक्ति अभियान इसी संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच एवं जीवन मूल्यों के विकास के लिए सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी स्थलों के शैक्षिक भ्रमण भी कराए जाएंगे। अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए परिसर एवं सार्वजनिक स्थलों पर होर्डिंग, वॉल पेंटिंग और सोशल मीडिया का उपयोग किया जाएगा तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को 'माय भारत' पोर्टल से जोड़ा जाएगा।

> बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव एम पी अग्रवाल सहित विधायक उमेश द्विवेदी, बाबूलाल तिवारी, मानवेन्द्र सिंह, चंद्र शर्मा, धर्मेन्द्र भारद्वाज, अरुण पाठक एवं हरि सिंह ढिल्लो, अवनीश कुमार और प्रदेश महामंत्री संजय राय सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व विद्यार्थियों को दो मिनट की नशामुक्ति शपथ दिलाई जाएगी

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश के सभी राजकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में प्रत्येक कार्यदिवस की शुरुआत से पूर्व विद्यार्थियों को दो मिनट की नशामुक्ति शपथ दिलाई जाएगी। साथ ही 'रन फॉर नशामुक्ति', मैराथन, पथ संचलन, भाषण, निबंध, चित्रकला, नाटक एवं नुक्कड़ नाटक जैसी जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक शिक्षक सप्ताह में एक बार अपने पीरियड के अंतिम दस मिनट नशामुक्ति विषय पर विद्यार्थियों के साथ संवाद एवं प्रेरक चर्चा के लिए निर्धारित करेंगे।

उत्कृष्ट बुनकरों को संत कबीर राज्यस्तरीय हथकरघा पुरस्कार से सम्मानित किया

लोकभवन में हथकरघा उत्पादों की प्रर्दशनी का अवलोकन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस-2026 के अवसर पर लोकभवन में हथकरघा उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उत्कृष्ट बुनकरों को संत कबीर राज्यस्तरीय हथकरघा पुरस्कार से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री हैंडलूम एवं पावरलूम उद्योग विकास योजना और झलकारी बाई कोरी हथकरघा एवं पावरलूम विकास योजना के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए।

हथकरघा उत्पादों के विपणन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रमुख संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान भी किया गया।

मंत्री राकेश सचान ने मुख्यमंत्री को हथकरघा से निर्मित राधा-कृष्ण की कलाकृति भेंट की और कहा कि यह दिवस भारत की बुनकरी परंपरा, स्वदेशी संस्कृति और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का उत्सव है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में तीन लाख से अधिक हथकरघे संचालित हैं और सरकार बुनकरों के आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री हैंडलूम एवं पावरलूम उद्योग विकास योजना के तहत 2,489 हथकरघा और 1,315 पावरलूम बुनकरों को, तथा झलकारी बाई कोरी हथकरघा एवं पावरलूम विकास योजना के तहत 2,796 हथकरघा और 1,466 पावरलूम बुनकरों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश राज्य हथकरघा निगम ने इस वर्ष लगभग 38 लाख रुपए का लाभ अर्जित किया है, जो प्रदेश के हथकरघा क्षेत्र की प्रगति का संकेत है।

> पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क और प्रस्तावित संत कबीर टेक्सटाइल पार्कों से वस्त्र उद्योग को नई गति मिलेगी और रोजगार के अवसर सृजित होंगे।
>
> हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग निदेशालय, उत्तर प्रदेश ने हैंडलूम एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एचईपीसी), टनेरा (टाटा समूह), बीटीडीसी, इंटरनेशनल फैशन बिजनेस एक्सचेंज काउंसिल (आईएफबीईसी) और अन्य संस्थाओं के साथ महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

सीआरपीएफ जवान का शव रखकर हंगामा

दुबग्गा। लखनऊ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (CRPF) के जवान परिजनों ने हंगामा किया। लोगों ने शुक्रवार सुबह करीब 3 बजे जवान का शव बुद्धेश्वर चौराहे पर रखकर हरदोई हाईवे जाम कर दिया।

सूचना पाकर पुलिस के अफसर पहुंचे। प्रदर्शन करने वालों को समझाने की कोशिश की। जवान की पत्नी ने CRPF के अफसरों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- पति से जबरन ड्यूटी करवाई जा रही थी। उन्हें बुखार था, इसके बावजूद उनको छुट्टी नहीं मिल रही थी। उन्होंने कहा- ड्यूटी के दौरान उनके सीने में गोली लगी। अफसर बता रहे हैं कि विनीत ने खुद को गोली मारी। लेकिन, कोई खुद अपने सीने में तीन गोली कैसे मार सकता है। उनके साथ के किसी व्यक्ति ने उन्हें गोली मारी है।

जवान की पत्नी परिवार के साथ करीब 2 घंटे तक हाईवे पर डटी रही। वह पति के शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम कराने की मांग कर रही थीं। अफसरों ने शांत कराकर उन्हें हरदोई रवाना किया।

अलीगढ़ एवं गौरखपुर के संस्थानों के निर्माण से रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे

तमसा संकेत, संवाददाता

> स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैंनेजमेंट अलीगढ़ एवं गौरखपुर के उच्चीकरण/आवास निर्माण हेतु क्रमश 4946.87 लाख रूपये तथा 4681.64 लाख रूपये लागत की

लखनऊ। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैंनेजमेंट अलीगढ़ के उच्चीकृत/स्थापना हेतु 4946.87 लाख रूपये की लागत की योजना क्रियान्वित की जा रही है। संस्थान के निर्माण हो जाने के पश्चात प्रतिवर्ष लगभग 1700 ये अधिक युवक/युवतियों को परास्नातक डिग्री, परास्नातक डिप्लोमा, स्नातक डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट एवं कौशल विकास पाठयक्रमों को मिलाकर कुल 17 प्रकार के कोर्सों में प्रशिक्षणप्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैंनेजमेंट गोरखपुर परिसर में छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ से संबंधित आवास के निर्माण हेतु 4681.64 लागत की योजना क्रियान्वित की जा रही है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित लघु अवधि के "कौशल विकास व हुनर से रोजगार तक कार्यक्रम" के अंतर्गत अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित कर कुशल बनाया जाएगा। इससे देश प्रदेश के छात्र लाभान्वित होंगे। समस्त उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को देश एवं विदेश के विभिन्न हॉस्पिटैलिटी सेक्टर एवं विभिन्न ट्रेवल एंड टूरिज्म क्षेत्र के सितारा होटल/रेस्टोरेंट, एयरलाइन्स, क्रूज जहाज, रेलवे, मॉल्स एवं आतिथ्य से जुड़े अन्य सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

प्रक्रिया : 30 अगस्त, 2026 को कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) आयोजित की जाएगी

हज यात्रियों के प्रशिक्षकों के चयन हेतु 11 से 23 अगस्त तक होंगे ऑनलाइन आवेदन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने सर्कुलर-05, दिनांक 07 अगस्त, 2026 जारी करते हुए हज यात्रियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रशिक्षकों के चयन हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 11 अगस्त, 2026 से 23 अगस्त, 2026 तक हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे, ऑफलाइन आवेदन मान्य नहीं होंगे। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत 30 अगस्त, 2026 को कम्प्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) आयोजित की जाएगी। परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 01 से 06 सितम्बर, 2026 तक होगा। चयनित प्रशिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण मुम्बई में सितम्बर, 2026 के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित है। प्रत्येक 150 हज यात्रियों पर एक प्रशिक्षक का चयन किया जाएगा। अंतिम चयन सीबीटी (100 अंक) एवं साक्षात्कार (20 अंक) के संयुक्त मेरिट अंकों के आधार पर होगा। अभ्यर्थियों को सीबीटी एवं साक्षात्कार दोनों में अलग-अलग न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। आवेदक के लिए गत पाँच वर्षों के भीतर हज यात्रा करना अनिवार्य है, जिसके प्रमाणस्वरूप वीज़ा, पासपोर्ट के संबंधित पृष्ठ अथवा हज कमेटी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र संलग्न करना होगा। अभ्यर्थी को हिन्दी, उर्दू, अंग्रेज़ी एवं स्थानीय भाषा का पर्याप्त ज्ञान होना चाहिए, मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए तथा कम्प्यूटर संचालन एवं हज सुविधा ऐप के उपयोग में दक्ष होना आवश्यक है।

> प्रशिक्षक पद के लिए अभ्यर्थी की आयु 07 अगस्त, 2026 को 25 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट (12वीं) या समकक्ष निर्धारित की गई है। सूचना प्रौद्योगिकी का ज्ञान रखने वाले स्नातक अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में 05 अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। पुरुष एवं महिला प्रशिक्षकों का चयन हज यात्रियों की संख्या के अनुपात में किया जाएगा।

लखनऊ में कार धू-धूकर जली, दवा व्यापारी जिंदा जला

लखनऊ। लखनऊ में गुरुवार रात करीब 11:30 बजे मारुति जेन कार में आग लगने से एक युवक की जिंदा जलकर मौत हो गई। आग लगने के बाद वह कार से बाहर नहीं निकल सका। जब तक दमकल ने आग पर काबू पाया, तब तक कार के अंदर केवल उसका कंकाल बचा। एक हाथ सीट में फंसा था।

हादसा बख्शी का तालाब (बीकेटी) क्षेत्र के सरैया मोड़ के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, कार में आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। यह भी पता नहीं चला कि चलती हालत में कार में आग लगी या उस वक्त कार खड़ी थी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। कार के नंबर के आधार पर पुलिस ने उसके मालिक का पता लगाया। जांच में सामने आया कि कार खुर्रमनगर निवासी हमीदुल के बेटे अलमास हक के नाम पर रजिस्टर्ड है। परिजनों से संपर्क करने पर पुष्टि हुई कि कार के अंदर मिला शव 32 वर्षीय अलमास हक का ही है।

तीन नए निजी विश्वविद्यालयों के संचालन को मिली हरी झंडी

योगी सरकार का उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार राज्य को उच्च शिक्षा और अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर बुधवार को प्रदेश में स्थापित होने जा रहे तीन नए निजी विश्वविद्यालयों के प्रबंधन को 'संचालन प्राधिकार पत्र' (अनुज्ञा पत्र) प्रदान किया। योगी सरकार की इस पहल से गाजियाबाद, कानपुर और फतेहपुर जनपदों में उच्च, तकनीकी एवं कृषि शिक्षा का विस्तार होगा तथा युवाओं को अपने ही क्षेत्र में बेहतर शैक्षणिक अवसर प्राप्त होंगे। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने जनपद गाजियाबाद में 'अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय' के संचालन हेतु 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग सोसाइटी', गाजियाबाद के सचिव/चेयरमैन को, कानपुर नगर के बिल्हौर में 'महर्षि महेश योगी इंटरनेशनल एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय' के संचालन हेतु 'स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती चैरिटेबल ट्रस्ट', दिल्ली के सचिव को तथा फतेहपुर में 'ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय' के संचालन हेतु 'एंग्लो संस्कृत कॉलेज', फतेहपुर के अध्यक्ष को आधिकारिक संचालन प्राधिकार पत्र सौंपा।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा अनुभाग-1 द्वारा उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 में संशोधन अध्यादेशों के तहत यह स्वीकृति जारी की गई है। इसके अंतर्गत गाजियाबाद के अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय को तृतीय संशोधन अध्यादेश (अध्यादेश संख्या 17 सन् 2026), कानपुर के महर्षि महेश योगी इंटरनेशनल एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय को चतुर्थ संशोधन अध्यादेश (अध्यादेश संख्या 18 सन् 2026) तथा फतेहपुर के ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय को पंचम संशोधन अध्यादेश (अध्यादेश संख्या 19 सन् 2026) के तहत सम्मिलित करते हुए संचालन की अनुज्ञा संबंधी अधिसूचनाएं जारी कर दी गई हैं।

संभल में 100 बीघा फसल जलमग्न, नोएडा में अंडरपास में एंबुलेंस फंसी

आगरा में सड़क धंसी 20 फीट गहरा गड्ढा हुआ

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-बंगाल की खाड़ी से नमी वाली हवाएं यूपी पहुंच रही हैं। साथ ही प्रदेश के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र और आसपास बने मौसम सिस्टम बारिश करा रहे हैं। कई जगहों पर हवा में नमी ज्यादा होने से बादल बन रहे हैं और तेज बारिश हो रही है। अगले 5 दिनों तक पूरे प्रदेश में झमाझम बारिश होगी।

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर, मेरठ। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। शुक्रवार सुबह लखनऊ, नोएडा, जालौन, मिर्जापुर और संभल में बारिश हुई। संभल में नहर कट गई। पानी के तेज बहाव से करीब 8 फीट का हिस्सा बह गया। इससे 100 बीघा फसलें जलमग्न हो गईं। नहर के कटान को बंद करने के लिए 4 बुलडोजर लगाए गए हैं।

नोएडा में अंडरपास में जलभराव के चलते एंबुलेंस फंस गई। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद लोगों ने धक्का देकर बाहर निकाला। आगरा में सड़क धंस गई और 20 फीट का गड्ढा हो गया। एक जर्जर मकान ढह गया। यह मकान कई सालों से बंद पड़ा था। मिर्जापुर में भी कच्ची सड़क बह गई। इधर, लगातार बारिश से नदियां भी उफान पर हैं। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी में अब तक 50 एकड़ जमीन समा चुकी है। बलिया में सरयू नदी में 27 घर समा चुके हैं। फर्रुखाबाद में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई। 33 गांवों और 40 सरकारी स्कूलों में बाढ़ का पानी घुस गया। वाराणसी में गंगा उफान पर है। 40 से 50 छोटे मंदिरों में बाढ़ का पानी घुस गया। रत्नेश्वर महादेव मंदिर आधे से ज्यादा डूब चुका है। आज सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इनमें 18 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है।

आगरा में सड़क धंस गई और 20 फीट का गड्ढा हो गया।

आगरा में बारिश के बीच जर्जर मकान ढहा

आगरा में लगातार हो रही बारिश के बीच बेलनगंज क्षेत्र में एक जर्जर मकान ढह गया। यह मकान कई सालों से बंद पड़ा था। इसमें कोई नहीं रह रहा था। हादसे के समय आसपास भी कोई मौजूद नहीं था, इसलिए कोई जनहानि या घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, मकान गिरने से इलाके में दहशत का माहौल है। आगरा में शुक्रवार सुबह से रुक-रुक कर बारिश जारी है।

ग्रेटर नोएडा के जेवर में जलभराव के बीच ई-रिक्शा पलटा

ग्रेटर नोएडा में शुक्रवार सुबह करीब 12 बजे खुर्जा पुल की सर्विस रोड पर गड्ढे और जलभराव के चलते ई-रिक्शा पलट गया। इस दौरान ई-रिक्शा में बैठे कई यात्री चोटिल हो गए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सर्विस रोड पर लंबे समय से जलभराव और गहरे गड्ढों की समस्या बनी हुई है।

संभल में नहर कट गई। पानी के तेज बहाव से करीब 8 फीट का हिस्सा बह गया।

नगर आयुक्त कार्यालय के बाहर भाजपा पार्षदों का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर नगर निगम में फर्जी टेंडर और वर्क ऑर्डर जारी करने के आरोप को लेकर शुक्रवार को भाजपा पार्षदों ने नगर आयुक्त कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। पार्षदों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। भाजपा पार्षदों का आरोप है कि उद्यान विभाग में फर्जी फाइल तैयार कर कुछ ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए कार्यादेश जारी किए गए। उन्होंने नगर आयुक्त पर भी शिकायतों की अनदेखी करने और विकास कार्य प्रभावित होने का आरोप लगाया।

इसी दौरान नगर निगम के आउटसोर्स और संविदा कर्मचारियों ने भी विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि, नियमितीकरण और समय पर वेतन भुगतान समेत कई मांगें प्रशासन के सामने रखीं।

वार्ड-51 के भाजपा पार्षद सुधीर यादव ने आरोप लगाया कि फर्जी टेंडर की शिकायत करने के लिए नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय से कई बार समय मांगा गया, लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो सकी।

कहा- उद्यान विभाग में फर्जी फाइल बनाकर टेंडर दिया गया, कार्रवाई की मांग की

उनका कहना था कि नगर आयुक्त बिना पर्याप्त जांच के फाइलें पास कर रहे हैं, जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक वर्ष से उनके वार्ड में कोई नया विकास कार्य नहीं हुआ है।

फास्ट न्यूज

गाजीपुर पीजी कॉलेज में एनसीसी चयन के लिए उमड़ा उत्साह

गाजीपुर। गाजीपुर के पीजी कॉलेज परिसर स्थित खेल मैदान में शुक्रवार को 92 यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से कैडेट्स के चयन की प्रक्रिया आयोजित की गई। चयन के लिए निर्धारित करीब 90 सीटों पर लगभग 300 छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की मौजूदगी ने युवाओं में एनसीसी के प्रति बढ़ते आकर्षण को दर्शाया।

एक किलो ककोड़े लेकर डीएम के पास पहुंचा किसान

आगरा। साहब, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मेरा काम हो गया...ये कहते हुए एक किसान ने ककोड़े से भरा थैला आगरा डीएम मनीष बंसल की टेबल पर रख दिया। किसान का यह भोलापन देखकर डीएम मुस्कुरा दिए।

उन्होंने किसान का यह तोहफा यह कहते हुए रख लिया कि यह उनके लिए अनमोल है। यह मामला आगरा कलेक्ट्रेट में शुक्रवार दोपहर का 2 बजे का है।

बाह तहसील क्षेत्र के बसई अरेला निवासी किसान रामप्रकाश अपनी जमीन की पैमाइश के लिए पिछले तीन वर्षों से अधिकारियों के चक्कर लगा रहे थे।

आवारा कुत्तों ने बंदर को नोच-नोचकर मार डाला

आगरा। आगरा शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। कमला नगर क्षेत्र में 6-7 कुत्तों के झुंड ने एक बंदर को नोच-नोचकर मार डाला। यह पूरी घटना रिहायशी इलाके में हुई। कुत्तों के डर के कारण लोग बंदर को बचाने तक की हिम्मत नहीं जुटा पाए। प्रत्यक्ष-दर्शियों के अनुसार, गुरुवार शाम को कमला नंगर में एक बंदर गली में आया।

महापौर के 'बागी नहीं बच्चे हैं' बयान पर सियासत तेज

पार्षद बोले- संगठन की बैठक का एजेंडा भटकाया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। भाजपा की तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर संगठनात्मक बैठक हुई। इसमें महापौर प्रमिला पांडेय ने कहा- कुछ लोग कुछ पार्षदों को बागी कहते हैं, लेकिन वे बागी नहीं हैं। वह भी हमारे बच्चे हैं। मेयर और पार्षदी एक दिन चली जाएगी, लेकिन हम सब साथ रहेंगे।

मेयर के इस बयान के बाद पार्षद आलोक पांडेय, विकास जायसवाल, पवन गुप्ता, लक्ष्मी कोरी और निक्कू तिवारी बैठक छोड़कर बाहर निकल गए। अब सियासी विवाद खड़ा हो गया है। बागी पार्षदों ने भाजपा के कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष रामकिशोर साहू से मुलाकात की। पार्षदों ने बताया- महापौर पर संगठन की बैठक को व्यक्तिगत मंच बनाने और मूल एजेंडे से भटकाने का आरोप लगाया है। पार्षदों का कहना है कि वह भाजपा के ही

कार्यकर्ता हैं और उनका कोई दूसरा घर नहीं है।

पार्षद आलोक पांडेय ने कहा- संगठन की ओर से तिरंगा यात्रा की रूपरेखा तय करने के लिए बैठक बुलाई गई थी, लेकिन महापौर ने वहां 'पार्षद भटक गए थे, लेकिन लौट आए' जैसी टिप्पणी कर संगठन की बैठक को दूसरे मुद्दों की ओर मोड़ दिया।

उन्होंने कहा- वह इस बयान की घोर निंदा करते हैं। संगठन के सामने पूरा विषय रखा जा चुका है और क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू को भी पूरे घटनाक्रम से अवगत करा दिया गया है।

संभल में हिंदू नेताओं से बहस हुई, पप्पू यादव के खिलाफ प्रदर्शन में थाना घेरा था

वर्दी में मुस्लिम के पैर छूने वाले इंस्पेक्टर का ट्रांसफर

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। संभल में वर्दी में मुस्लिम बुजुर्ग के पैर छूने वाले इंस्पेक्टर का गुरुवार को ट्रांसफर कर दिया गया। मामले का वीडियो बुधवार को सामने आया था। इसके बाद आज एसपी केके बिश्नोई ने सुधीर पंवार को कोतवाली से थाना असमोली भेज दिया। उनकी जगह इंस्पेक्टर मोहित चौधरी को संभल कोतवाली का प्रभारी बनाया गया है।

दरअसल, पप्पू यादव के खिलाफ मंगलवार को हिंदू संगठन ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान उनकी इंस्पेक्टर सुधीर पंवार से बहस हुई थी। इसके बाद हिंदू संगठन के नेताओं ने थाने का घेराव किया था। इंस्पेक्टर सुधीर पर कार्रवाई की मांग

की थी। इंस्पेक्टर का यह वीडियो चेहल्लुम जुलूस का बताकर शेयर किया गया था, जोकि मोहर्रम का निकला। घटना के बाद बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार दोपहर को कोतवाली परिसर में धरना दिया था। हनुमान चालीसा का पाठ भी किया था। प्रदर्शन के दौरान इंस्पेक्टर और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई थी।

इंस्पेक्टर के वीडियो पर बजरंग दल के जिला संयोजक नितिन शर्मा ने कहा- वर्दी पहनते समय शपथ दिलाई जाती है कि पुलिसकर्मी किसी के आगे नहीं झुकेंगे। शर्मा ने आरोप लगाया कि इंस्पेक्टर ने हिंदू समाज का उत्पीड़न किया और "जिहादियों" के पैर छुए, जिससे हिंदू समाज का मनोबल गिरा है।

मंगलवार को प्रदर्शन के दौरान इंस्पेक्टर सुधीर पंवार की हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं से बहस हुई थी।

पप्पू यादव के खिलाफ प्रदर्शन में हुआ विवाद

बजरंग दल के जिला संयोजक नितिन शर्मा समर्थकों संग शंकर इंटर कॉलेज चौराहे पर मंगलवार दोपहर सांसद पप्पू यादव के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। कार्यकर्ता राम मंदिर चंदा चोरी मामले को लेकर संसद में किए गए प्रदर्शन का विरोध कर रहे थे। इसी दौरान इंस्पेक्टर सुधीर पंवार मौके पर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने प्रदर्शनकारियों को डांटा, जिला संयोजक के हाथ से बैनर छीन लिया। धक्का-मुक्की करते हुए उन्हें पुलिस वाहन में बैठा लिया था। बाद में हालात बेकाबू होने पर सीओ संभल कुलदीप कुमार को भी मौके पर जाना पड़ा था।

मेरठ में कांवड़ियों के लिए हाईटेक शिविर

1 घंटे में 900 रोटियां बना रहीं ऑटोमैटिक मशीन, 24 घंटे मेडिकल की सुविधा

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों के लिए शिविर में हाईटेक व्यवस्था की गई है। हाईटेक शिविर में ऑटोमैटिक रोटी बनाने की मशीन आई है। यहां भोजन बनाने से लेकर सुरक्षा और चिकित्सा तक हर व्यवस्था को तकनीक से जोड़ा गया है। शिविर में श्रद्धालुओं के लिए अलग से व्रत का भोजन उपलब्ध कराया जाता है, जबकि अन्य कांवड़ियों के लिए सामान्य भोजन की व्यवस्था रहती है।

शिविर संयोजक नीरज मित्तल ने बताया- कंकरखेड़ा व्यापार संघ 1999 से लगातार बिना किसी जाति या भेदभाव के शिवभक्तों की सेवा कर रहा है। इस बार भी 24 घंटे सेवा जारी है। शिविर में 20 किलो आटा एक साथ गूंधने वाली मशीन लगाई गई है, जिससे करीब 1,000 रोटियों के लिए आटा तैयार हो जाता है।

इसके बाद ऑटोमैटिक रोटी मशीन एक मिनट में करीब 16 रोटियां और एक घंटे में लगभग 900

ऑटोमैटिक रोटी मशीन एक मिनट में करीब 16 रोटियां और एक घंटे में लगभग 900 रोटियां तैयार करती है

रोटियां तैयार करती है। पूरे दिन में शिविर में करीब 6 से 7 हजार रोटियां बनाई जा रही हैं। जरूरत बढ़ने पर स्वयंसेवक हाथ से भी रोटियां बनाते हैं। कंकरखेड़ा व्यापार संघ के राजेश खन्ना ने बताया कि रसोई को पूरी तरह व्यवस्थित बनाया गया है। सब्जियां काटने के लिए अलग चॉपिंग मशीन, मसाले और अन्य सामग्री तैयार करने के लिए ग्राइंडिंग मशीन लगाई गई है, जिससे कम समय में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए भोजन तैयार हो जाता है।

शिविर में 24 घंटे मेडिकल कैंप

शिविर में 24 घंटे मेडिकल कैंप भी संचालित है, जहां डॉक्टरों की टीम और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध हैं। बारिश से बचाव के लिए वाटरप्रूफ जर्मन हैंगर लगाए गए हैं, जिससे खराब मौसम में भी कांवड़ियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होती। शिविर में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं ताकि सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा सके। स्नान के लिए पीछे सबमर्सिबल पंप से पानी की व्यवस्था की गई है।

भोजन पूरी तरह सात्विक रखा गया है। दोपहर और रात में दाल, चावल, मौसमी सब्जियां, पनीर, आलू-मटर और तवे की गर्म रोटियां परोसी जा रही हैं। वहीं नाश्ते और शाम के समय डोसा, चीला, आलू टिक्की, मटर चाट, पापड़ी चाट, इडली, सांभर, उपमा, पोहा, कचौड़ी, समोसा और अन्य कई व्यंजन श्रद्धालुओं को परोसे जा रहे हैं।

रात में शिवभक्तों को केसर युक्त गर्म दूध कुल्हड़ में पिलाया जाता है

यात्रा के दौरान ऊर्जा बनाए रखने के लिए शिविर में जूस के पैकेट, कैम्पा और अन्य कोल्ड ड्रिंक भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। रात में लंबी यात्रा से लौटने वाले शिवभक्तों को केसर युक्त गर्म दूध कुल्हड़ में पिलाया जाता है।

कानपुर में सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर के भाई ने किया सुसाइड

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। गोविंद नगर के दबौली में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर के चचेरे भाई ने शुक्रवार को फंदा लगा कर जान दे दी। घटना के वक्त वह घर के ऊपरी तल पर बने कमरे में अकेला था। दोपहर में ताई भोजन के लिए ऊपर बुलाने पहुंची, तब घटना की जानकारी हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायत-नामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राथमिक जांच में मानसिक तनाव के चलते जान देने की बात सामने आई है। दबौली निवासी अंकित तिवारी इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर है। उसके इंस्टाग्राम पर 8,016 व फेसबुक पर 34 हजार फॉलोअर हैं। उसके चचेरा भाई 23 वर्षीय अनुभव त्रिपाठी की गुजैनी पुलिया के पास अंजलि बर्तन भंडार के नाम से दुकान है। अनुभव के माता-पिता का कोविड काल के दौरान निधन हो चुका है। बहनें अंजलि और रिया प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती हैं। परिजनों के मुताबिक, अनुभव की

6 माह से हो रहा पुलिया था निर्माण, दुकान में कस्टमर न आने से परेशान था

जिस जगह दुकान है। वहां बीते 6 माह से पुलिया निर्माण का कार्य चल रहा है। दुकान में ग्राहक न आने से वह डिप्रेशन में था। शुक्रवार को अनुभव घर के ऊपरी तल पर बने कमरे में था। दोपहर को ताई ममता त्रिपाठी ने खाना खाने के लिए अनुभव को आवाज दी, हालांकि कोई जवाब नहीं मिला। ऊपर पहुंची तो उसे पंखे के कुंडे से चादर के सहारे लटकता हुआ देखा। ममता चीख कर नीचे आईं और परिजनों को जानकारी दी।

पृष्ठ 01 का शेष...

संभल में सपा के गुंडे ...

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के PDA अभियान पर हमला बोलते हुए कहा कि इसकी राजनीति परिवारवाद और अराजकता से जुड़ी रही है। उन्होंने PDA का अर्थ ₹परिवार, दंगा और अराजकता₹ बताया।

उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सरकार के समय प्रदेश में गुंडागर्दी और माफियाओं का प्रभाव था। हर जिले में अलग-अलग तरह के माफिया सक्रिय थे। जमीन, बालू, वन और पशु माफियाओं का दबदबा था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले थानों और तहसीलों तक दबाव की राजनीति चलती थी। व्यापारियों से अवैध वसूली की शिकायतें आती थीं। अब अपराधियों और माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। सीएम ने अम्बेडकरनगर के जलालपुर, आलापुर और टांडा विधानसभा क्षेत्रों में शुक्रवार को 706.81 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र और प्रमाण-पत्र दिए। सीएम ने कहा कि आज हर जिले के व्यंजन को सरकार ने नई पहचान दी है। प्रदेश में 16 करोड़ लोगों को फ्री में राशन दिया जा रहा है। जो बच्चे जन्म से मूक-बधिर थे, बोल और सुन नहीं सकते थे, उन बच्चों की हमने सर्जरी करवाई। आज मैंने ऐसे दो बच्चों को मंच पर बुलाकर प्रमाणपत्र दिए। उनके इलाज पर पैसा खर्च कर उन्हें सक्षम बनाया है। सपा सरकार में इंसेफ्लाइटिस से 1,200 बच्चे शिकार होते थे। लेकिन इन सपाइयों के चेहरे पर कोई शिकन नहीं होती थी।

सीएम योगी ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश के लोगों को बाहर सम्मान नहीं मिलता था, लेकिन आज उनकी पहचान और सम्मान दोनों बढ़े हैं। अयोध्या को मिल रहा सम्मान और विकास सपा व कांग्रेस को खटक रहा है।

पीएम की एनडीए के ...

15 जून को तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) से विलय कर लिया था।

वहीं 22 जून को उद्धव का साथ छोड़कर 6 सांसद शिंदे गुट में शामिल हो गए थे। ये सांसद भी अब शिंदे गुट के साथ संसद में बैठ रहें हैं।

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में 22 जून को फिर बगावत हुई थी। लोकसभा के कुल 9 में से 6 सांसद पार्टी से अलग होकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए थे। लोकसभा में अब शिंदे के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है।

8 जून को टीएमसी के लोकसभा के 28 सांसदों में से 20 ने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया था। सांसद और TMC की पूर्व नेता काकोली घोष दस्तीदार ने कहा था कि सांसदों के साइन वाला पत्र लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को भेज दिया था।

दाल में काला नहीं...

नतीजे काफी बेहतर रहे हैं। कुछ लोग E20 को लेकर बेवजह विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

उधर केंद्र सरकार ने कहा है कि पेट्रोल में मिलाया जाने वाला एथेनॉल पूरी तरह घरेलू स्रोतों से लिया जा रहा है। सरकार ने 6 अगस्त को भारत द्वारा अमेरिका से बड़े पैमाने पर एथेनॉल आयात करने की मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया था। भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण (E20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं।

उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है। इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं।

आम आदमी पार्टी (AAP) E20 ईंधन के विरोध में देशभर में टाउन हॉल का आयोजन करेगी। पार्टी ने शुक्रवार को घोषणा की कि यह अभियान 8 अगस्त से शुरू होगा।

संसद में विपक्ष का ...

शुक्रवार को सुबह 9 बजे पीएम मोदी से उनके घर पर करीब 45 नए लोकसभा सांसदों ने नाश्ते पर मुलाकात की।

NDA के नए सांसदों में NCPI में जाने वाले बागी TMC सांसद और एकनाथ शिंदे की शिवसेना में आए शिवसेना (UBT) के सांसद शामिल थे।

नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) के जगदीश बसुनिया ने कहा- PM ने हमसे कहा कि हम सभी NDA परिवार का हिस्सा हैं।

कांग्रेस ने लोकसभा और राज्यसभा के अपने सभी सांसदों को 10, 11 और 12 अगस्त को सदन में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। पार्टी ने कहा है कि इन दिनों संसद में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी, इसलिए सभी सांसदों की उपस्थिति जरूरी है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस ने INDIA गठबंधन के सहयोगी दलों से भी अपने सांसदों की मौजूदगी सुनिश्चित करने को कहा है। माना जा रहा है कि अगले सप्ताह संसद में एफसीआरए संशोधन विधेयक और परिसीमन से जुड़े अहम प्रस्तावों पर चर्चा हो सकती है।

कांग्रेस ने शुक्रवार को लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव देकर छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर चर्चा की मांग की है। सांसद मणिकम टैगोर ने गृह मंत्री अमित शाह से पूरे मामले पर बयान देने और न्यायिक जांच कराने की मांग की।

लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को 11 बजे शुरू हुई लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण 12 बजे तक के लिए स्थगित हुई। 12 बजे दोबारा कार्यवाही शुरू हुई और 10 मिनट तक चली लेकिन फिर सोमवार तक स्थगित कर दी गई।

नीट पेपर लीक की ...

CBI ने इस मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इनमें NTA के तीन एक्सपर्ट्स शामिल हैं। आरोप है कि तीनों ने पेपर तैयार करने और मॉडरेशन के दौरान अपने पद का दुरुपयोग कर पेपर लीक किए। लीक पेपर टेलीग्राम, वॉट्सएप, PDF और अन्य डिजिटल माध्यमों से भी फैलाए गए।

CBI की चार्जशीट के मुताबिक, NEET पेपर लीक किसी एक व्यक्ति की साजिश नहीं थी, बल्कि NTA एक्सपर्ट्स, प्राइवेट कोचिंग संचालकों, बिचौलियों और कुछ छात्रों की मिलीभगत से पूरा नेटवर्क तैयार किया गया था।

एजेंसी के अनुसार, परीक्षा से कई महीने पहले ही कोचिंग संचालकों और बिचौलियों ने NTA के तीनों एक्सपर्ट्स से संपर्क साध लिया था। इनके बीच लगातार बातचीत, मुलाकातें और पैसों का लेन-देन हुआ, जिसके जरिए पेपर लीक की पूरी साजिश रची गई।

बैलेट पेपर लाओ...

उन्होंने कहा कि इस घटना से वह पूरी रात सो नहीं सके।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बनने पर कक्षा एक से पीएचडी तक मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। इलाज के लिए किसी को सिफारिश की जरूरत नहीं पड़ेगी। किसी जिले में दुष्कर्म की घटना होने पर 12 घंटे के भीतर डीएम और एसपी को मुख्यालय से अटैच कर दिया जाएगा।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में करीब 7,000 करोड़ रुपये प्रचार पर खर्च किए, जबकि यही राशि शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं पर लगाई जा सकती थी।

इस धन से बड़े शिक्षण संस्थान और अस्पताल बनाए जा सकते थे। उन्होंने महाकुंभ पर होने वाले खर्च का जिक्र करते हुए कहा कि आस्था से जुड़े कार्यों पर खर्च होना चाहिए, लेकिन जनता के टैक्स के पैसे का इस्तेमाल प्रचार के लिए नहीं होना चाहिए।

पीएम मोदी से दिल्ली...

केजरीवाल के इस तंज पर सुखबीर बादल ने कहा- 2022 से पहले AAP ने दावा किया था कि आप पंजाब में फल-फूल रहे 20,000 करोड़ के अवैध खनन को तुरंत बंद करवा देंगे और आज NGT के आदेश ने साबित कर दिया है कि आपकी सारी गारंटी गटर में फेंकने लायक हैं। पंजाब की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा- मुझे पहले से लगता था कि यह इकट्ठे होंगे। हालांकि कोई बदलाव नहीं होगा।

उंगली में चोट, राहुल कप्तानी संभाल रहे, श्रीलंका-ए ने बल्लेबाजी चुनी

गिल वार्म-अप मैच के पहले दिन नहीं खेल रहे

फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका इलेवन के खिलाफ वॉर्म-अप मैच के पहले दिन नहीं खेल रहे हैं। BCCI ने बताया कि गुरुवार को प्रैक्टिस के दौरान उनके दाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी। वॉर्म-अप मैच में भारतीय टीम की कप्तानी केएल राहुल कर रहे हैं। मेजबान श्रीलंका की टीम टॉस जीतकर पहले बैटिंग कर रही है। उसने लंच ब्रेक तक 29 ओवर में एक विकेट पर 138 रन बना लिए हैं। तीन दिन का यह वॉर्म-अप मैच भारत के लिए काफी अहम है। टेस्ट की सीरीज से पहले खिलाड़ियों को श्रीलंका की परिस्थितियों और स्पिन के अनुकूल ढलने का मौका मिलेगा। भारत ने अपना पिछला टेस्ट जून में खेला था। भारत फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए श्रीलंका के खिलाफ यह सीरीज टीम के लिए काफी अहम मानी जा रही है।

गिल की यह फोटो गुरुवार की है, जब उन्हें प्रैक्टिस के दौरान चोट लगी थी।

> भारत-श्रीलंका पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। टीम मैनेजमेंट ने टेस्ट मैच को देखते हुए ही गिल को वॉर्म-अप मैच में आराम देने का फैसला किया है।

यह मुकाबला फील्डिंग कोच सुभादीप घोष के कार्यकाल का पहला मैच भी है। BCCI ने पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप और सहायक कोच रयान टेन डोशेट का अनुबंध आगे नहीं बढ़ाया था।

लंच तक बॉलर्स को कोई विकेट नहीं

मैच के पहले दिन लंच तक श्रीलंका क्रिकेट इलेवन ने 29 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 138 रन बना लिए हैं। रविंदु रसान्था 82 गेंदों में 50 और पसिंदु सूरियाबंदारा 27 गेंदों में 16 रन बनाकर नाबाद हैं। इससे पहले निशान फर्नांडो ने 65 गेंदों पर 66 रन की पारी खेली, लेकिन वह 20.4 ओवर में रनआउट हो गए।

भारतीय गेंदबाजों को लंच तक कोई विकेट नहीं मिला और एकमात्र सफलता रनआउट के रूप में आई। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार ने 5-5 ओवर में 14-14 रन दिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 27, रविंद्र जडेजा ने 29, कुलदीप यादव ने 23 और गुरनूर बरार ने 25 रन खर्च किए।

बल्लेबाज साई सुदर्शन अभी बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में चोट से उबर रहे हैं। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण इस दौरे का हिस्सा नहीं हैं।

विमेंस एशिया कप में भारत पाकिस्तान क्रिकेट मैच 5 सितंबर को

28 अगस्त से शुरू होगा टूर्नामेंट, 8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा

नई दिल्ली, एजेंसी

विमेंस एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच 5 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने गुरुवार को टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी किया।

टी-20 फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट की शुरुआत 28 अगस्त को होगी। पहला मुकाबला थाईलैंड और हांगकांग के बीच होगा। भारत-पाकिस्तान ग्रुप-A में शामिल हैं।

यह विमेंस एशिया कप का छठा एडिशन होगा, जो टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत और पाकिस्तान के साथ थाईलैंड, हांगकांग-चीन को रखा गया है। ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई और इंडोनेशिया शामिल हैं। ग्रुप स्टेज के बाद दोनों ग्रुप से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 13 सितंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ही आयोजित किए जाएंगे।

आर प्रज्ञानानंदा बने सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज चैंपियन

ब्लिट्ज के एक राउंड बाकी रहते जीता खिताब, रैपिड में भी टॉप पर थे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के सेंट लुइस में खेले गए ग्रैंड चेस टूर (GCT) के सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया।

रैपिड राउंड के बाद प्रज्ञानानंदा पॉइंट्स टेबल में टॉप पर थे। ब्लिट्ज के दूसरे अंतिम राउंड में उन्होंने उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेलकर एक राउंड बाकी रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया।

उन्होंने 35 में से 23.5 अंक जुटाए और दूसरे स्थान पर रहे सिंदारोव (22 अंक) से 1.5 अंक आगे रहकर अपने करियर का पहला GCT रैपिड एंड ब्लिट्ज खिताब जीता। इस जीत पर उन्हें 50 हजार डॉलर (करीब 48 लाख) की प्राइज मनी और 13 GCT अंक मिले।

प्रज्ञानानंदा पूरे पांच दिन चले टूर्नामेंट में टॉप पर बने रहे। सिंदारोव ने आखिरी दिन तक उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारतीय ग्रैंडमास्टर ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। ब्लिट्ज के अंतिम नौ राउंड में उन्होंने तीन मुकाबले जीते, पांच ड्रॉ खेले और सिर्फ एक मैच गंवाया। प्रज्ञानानंदा ने सिर्फ संयुक्त खिताब ही नहीं जीता, बल्कि रैपिड और ब्लिट्ज दोनों राउंड में सबसे ज्यादा अंक भी जुटाए। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'स्कोर देखकर सब कुछ आसान लगता है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं था। सिंदारोव ने आखिर तक कड़ी टक्कर दी।'

ब्लिट्ज के दूसरे अंतिम राउंड में प्रज्ञानानंदा का सामना सीधे सिंदारोव से हुआ। इस मुकाबले में ड्रॉ उनके लिए खिताब सुनिश्चित करने के लिए काफी था। मैच के एंडगेम में मोहरे का नुकसान होने के बावजूद उन्होंने शानदार बचाव किया और मुकाबला ड्रॉ करा लिया। इसके साथ ही आखिरी राउंड से पहले ही उनका खिताब पक्का हो गया।

गंभीर ने टूटी-फूटी पिच बनवाई, बल्लेबाजों को स्कूली स्पिनरों से प्रैक्टिस कराई

गॉल टेस्ट के लिए भारत की स्पिन पर खास तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका के स्पिनिंग ट्रैक पर जीत की तैयारी में भारतीय टीम कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले हेड कोच गौतम गंभीर ने कोलंबो में गॉल जैसी टूटी-फूटी पिच बनवाकर बल्लेबाजों को अभ्यास कराया। गंभीर का कहना है कि पहले टेस्ट की शुरुआत तक टीम हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय टीम मैच शुरू होने से 11 दिन पहले (मंगलवार, 4 अगस्त) ही श्रीलंका पहुंच गई थी। कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट क्रिकेट क्लब (NCC) में टीम अब तक दो बार करीब तीन-तीन घंटे के अभ्यास सत्र कर चुकी है। शुक्रवार से भारत SLC XI के खिलाफ तीन दिवसीय वॉर्म-अप मैच भी खेलेगा, जिससे खिलाड़ियों को स्थानीय परिस्थितियों में ढलने का मौका मिलेगा। अभ्यास सत्र के दौरान गंभीर ने कहा, '15 अगस्त की सुबह हम चाहे पहले बल्लेबाजी करें या गेंदबाजी, हमारे सामने आने वाले हर सवाल का जवाब हमारे पास तैयार होगा।'

गौतम गंभीर के साथ चर्चा करते कप्तान शुभमन गिल। वे आज श्रीलंका-11 के साथ खेले जा रहे प्रैक्टिस मैच में अंगुली में चोट की वजह से नहीं खेल रहे हैं।

स्कूली स्पिनरों ने भी कराया अभ्यास

भारतीय बल्लेबाजों के सामने पहले नेट बॉलर्स ने गेंदबाजी की। बाद में बाउंड्री के पास मौजूद स्थानीय स्कूली बच्चों और युवा स्पिनरों को भी गेंदबाजी के लिए बुलाया गया। इस पिच पर गेंद कभी तेजी से टर्न ले रही थी तो कभी नीची रह रही थी। ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात में भारतीय टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों ने लंबे समय तक अभ्यास किया।

> बुधवार को अभ्यास के दौरान कप्तान शुभमन गिल के अंगूठे में गेंद लगी थी। हालांकि, गुरुवार को वे पूरी तरह फिट नजर आए और नेट्स में बल्लेबाजी की। केएल राहुल और देवदत्त पड्डिकल ने भी रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव की स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ लंबा अभ्यास किया।

मनोरंजन

अपकमिंग फिल्म ब्लूफ्लाई का ऐलान, ऑस्कर विनर संग जमेगी जोड़ी

साई-फाई एक्शन थ्रिलर में प्रियंका चोपड़ा की एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड की बड़ी स्टार बन चुकी हैं। बॉलीवुड में पहचान हासिल करने के बाद उन्होंने इंटरनेशनल फिल्मों में काम किया और आज के समय में 'देसी गर्ल' विदेशी फिल्मों में लीड रोल्स से सफलता का परचम लहरा रही हैं। वह एक के बाद एक हॉलीवुड फिल्में कर रही हैं, वो भी बतौर लीड।

प्रियंका चोपड़ा की एक और फिल्म की अनाउंसमेंट हो गई है। द ब्लफ और हेड्स ऑफ स्टेट के बाद प्रियंका ने अपकमिंग साई-फाई एक्शन थ्रिलर ब्लूफ्लाई (Bluefly) साइन कर ली है। इस फिल्म में वह ऑस्कर विनिंग एक्टर रसेल क्रो के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी।

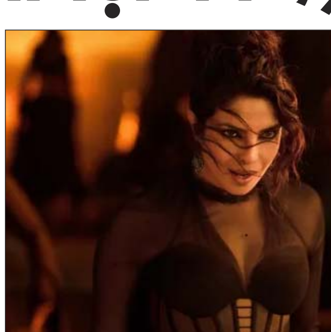

इस पोस्ट पर निक जोनस ने कमेंट कर अपना सपोर्ट दिखाया है। उन्होंने हार्ट इमोजी के साथ रिएक्शन दिया है। हुमा कुरैशी ने भी फायर इमोजी शेयर की है।

प्रियंका चोपड़ा की नई फिल्म की अनाउंसमेंट

प्रियंका चोपड़ा ने गुरुवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए यह खुशखबरी अपने चाहने वालों को दी है। डेडलाइन के एक आर्टिकल का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, अब अगले की ओर...। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन निम्रोद एंटल कर रहे हैं। वहीं फिल्म की कहानी डेविड फ्रिगेरियो, विलियम यूबैंक और कार्लाइल यूबैंक ने गढ़ी है।

मिथुन चक्रवर्ती की सर्जरी हुई हाथ में लगी प्लेट निकाली गई

कोलकाता । सीनियर एक्टर और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती का शुक्रवार को सर्जरी हुई। इसके बाद पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी शुक्रवार सुबह कोलकाता के एक निजी अस्पताल में मिथुन चक्रवर्ती से मिलने पहुंचे। न्यूज एजेंसी PTI के सूत्रों के अनुसार, मिथुन चक्रवर्ती की गुरुवार को एक सर्जरी हुई, जिसमें उनके शरीर में पहले लगाई गई धातु (मेटल) की प्लेट को निकाला गया। यह प्लेट एक पुराने हादसे के बाद लगाई गई थी। डॉक्टरों ने बताया कि सर्जरी सफल रही और फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। इससे पहले फरवरी 2024 में मिथुन चक्रवर्ती को ब्रेन स्ट्रोक और सीने में दर्द की शिकायत के बाद कोलकाता के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद उनकी तबीयत में सुधार हुआ और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

शूटिंग से दो महीने पहले क्यों रोकनी पड़ी फिल्म?

बटवारा 1947 की रिलीज के बीच टली सनी देओल की 'परशुराम'

नई दिल्ली, एजेंसी

सनी देओल (Sunny Deol) की आगामी फिल्म परशुराम (Parshuram) को लेकर एक बड़ा अपडेट आया है जो शायद फिल्म का इंतजार करने वालों को उदास कर सकती है। जिस फिल्म की शूटिंग दो महीने बाद शुरू होने वाली थी, अब उसे रोक दिया गया है। किल फिल्म के डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट के निर्देशन में बन रही परशुराम मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्मों में से एक है। सनी देओल अपनी आगामी फिल्म की तैयारी भी शुरू करने वाले थे, लेकिन अब इसके टलने की खबर आ रही है।

कहा जा रहा है कि निखिल नागेश भट्ट ने हॉलीवुड डेब्यू फिल्म डेडलॉक्ड की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं और इस फिल्म के कंप्लीट होने से पहले वह किसी और फिल्म को साइन नहीं करेंगे। उम्मीद है कि डायरेक्टर 2027 तक परशुराम की शूटिंग शुरू करें। परशुराम से पहले सनी देओल बंटवारा 1947 (Batwara 1947) और रामायण (Ramayana) में नजर आएंगे। बंटवारा 1947 अगले हफ्ते यानी 14 अगस्त को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है,। फिल्म में अभिनेता के साथ प्रीति जिंटा, शबाना आजमी और करण देओल मुख्य भूमिकाओं में हैं।

रुकी सनी देओल की फिल्म

बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, परशुराम की शूटिंग को रोक दिया गया है। इसकी वजह फिल्म के डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट हैं। दरअसल, परशुराम से पहले निखिल अपना हॉलीवुड प्रोजेक्ट कंप्लीट करना चाहते हैं। वह हॉलीवुड में बतौर डायरेक्टर डेडलॉक्ड से डेब्यू करने जा रहे हैं। ऑस्कर विनर जेमी फॉक्स स्टारर फिल्म के निर्देशन के बाद ही निखिल नागेश भट्ट, सनी देओल की परशुराम की शूटिंग शुरू करेंगे।

वरुण धवन करेंगे खौफ का तांडव

वाईआरएफ की पहली हॉरर फिल्म में आएंगे नजर सिनेमाघरों में मचेगी चीख-पुकार!

नई दिल्ली। बॉलीवुड में इन दिनों हॉरर फिल्मों की बाढ़ जैसी आ रही है। कई हॉरर फिल्में बन रही हैं और बड़ी बात है कि ओटीटी से लेकर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हॉरर-थ्रिलर फिल्मों को दर्शक पसंद भी खूब कर रहे हैं। अब लीजिए भेड़िया में काम करने के बाद वरुण धवन पहली बार किसी धांसू हॉरर फिल्म में काम करने जा रहे हैं।

वरुण यशराज फिल्म्स के साथ काम करने जा रहे हैं। यश राज फिल्म्स (YRF) भी पहली बार हॉरर जॉनर में कदम रखने जा रही है। जी हां, वरुण की ये फिल्म यशराज फिल्म्स के साथ होगी, जो कि एक हॉरर जॉनर की फिल्म होगी। फिल्म का निर्देशन अभय पन्नू करेंगे, जिन्होंने इससे पहले रॉकेट बॉयज सीरीज बनाई। अभय पन्नू ने इस फिल्म का निर्देशन करने के साथ-साथ इसकी पटकथा भी लिखी है। फिल्म से जुड़े एक सोर्स ने ये जानकारी दी है कि, YRF की पहली हॉरर फिल्म के लिए वरुण धवन को मुख्य अभिनेता के रूप में चुना गया है।' सूत्र ने आगे बताया कि, ₹यश राज फिल्म्स पहली बार हॉरर जॉनर में कदम रख रही है। अभय पन्नू के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को अक्षय विधानी रणनीतिक रूप से आगे बढ़ा रहे हैं और इसमें वरुण धवन मुख्य भूमिका निभाएंगे। YRF ने अब तक लगभग हर जॉनर में फिल्में बनाई हैं, लेकिन हॉरर ही एक ऐसा जॉनर था जिसमें स्टूडियो ने कभी काम नहीं किया था। आपको बता दें कि, 'सुई धागा' की सफलता के बाद यह वरुण धवन की यश राज फिल्म्स (YRF Horror Film) के साथ दूसरी फिल्म होगी। वहीं वरुण के साथ फिल्म में हीरोइन कौन होगी, इसके बारे में फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। वरुण पिछले दिनों ही फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' (Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai) में नजर आए थे।

> वरुण की इस हॉरर फिल्म की कहानी असल में क्या होगी, इसके बारे में फिलहाल ज्यादा जानकारी तो सामने नहीं आई है। लेकिन हां फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू हो जाएगी। वहीं फिल्म को साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

हॉरर फिल्म में दिखेंगे वरुण

वरुण धवन (Varun Dhawan) ने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह की फिल्मों में काम किया है। हालांकि ज्यादातर वरुण की फिल्में फन, कॉमेडी और रोमांस वाली रही हैं। हालांकि बदलापुर, अक्टूबर, सुई धागा और भेड़िया जैसी फिल्में भी वरुण की झोली में आई हैं। अब वरुण हॉरर फिल्म में दिखेंगे।

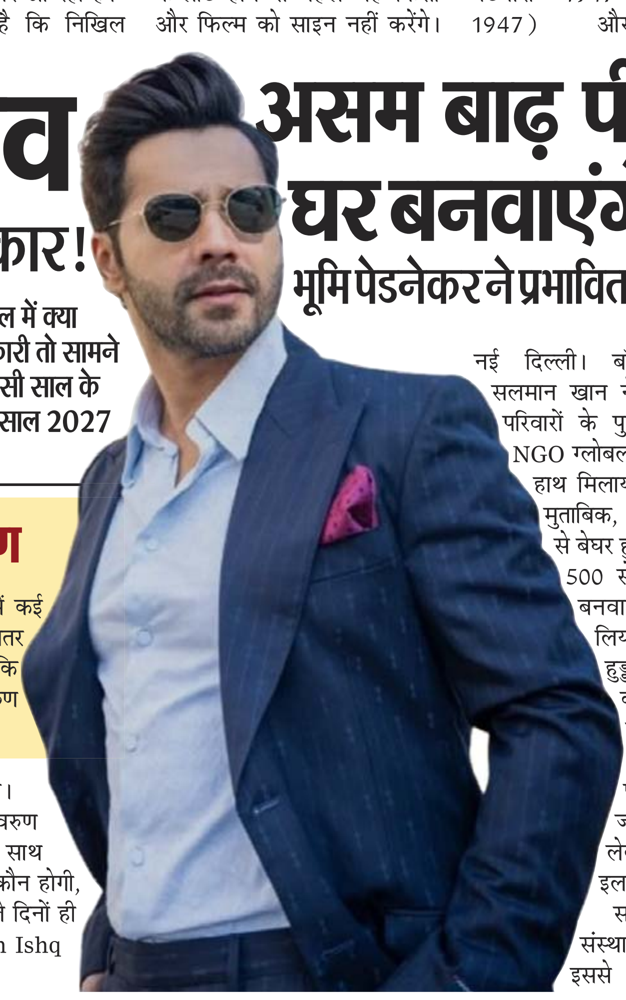

असम बाढ़ पीड़ितों के 500 घर बनवाएंगे सलमान खान

भूमि पेडनेकर ने प्रभावित इलाकों में पहुंचकर बांटा सामान

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए NGO ग्लोबल सिख्स के साथ हाथ मिलाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान ने बाढ़ से बेघर हुए लोगों के लिए 500 सेमी-पर्मानेंट घर बनवाने का फैसला लिया है। रणदीप हुड्डा पहले ही राहत कार्य में जुटे हैं, जिसके बाद अब एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर भी जरुरत का सामान लेकर प्रभावित इलाकों में पहुंची हैं। सलमान की संस्था बीइंग ह्यूमन इससे पहले भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में जरूरतमंदों तक भोजन और राहत सामग्री पहुंचाने में सहयोग कर चुकी है। अब राहत अभियान के दूसरे चरण में प्रभावित परिवारों के स्थायी पुनर्वास पर फोकस किया जा रहा है। मिड-डे की रिपोर्ट के अनुसार, असम के सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में शामिल शिवसागर जिले के नेपाली खुटी गांव में अब तक करीब 220 सेमी-पर्मानेंट घर बनाए जा चुके हैं। ये घर बांस और टिन की छत से तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।

थाईलैंड- 9वीं के छात्र ने 8 की हत्या की

वारदात

घर में दादा-दादी को मारा, फिर स्कूल में फायरिंग की, खुद को भी गोली मारी

थाईलैंड, एजेंसी

थाईलैंड के एक स्कूल में शुक्रवार को 9वीं के छात्र ने फायरिंग कर दी। इससे 3 टीचर और 3 छात्रों समेत 6 की मौत हो गई, 15 घायल हैं। फिर छात्र ने खुद को भी गोली मार ली।

पुलिस के मुताबिक, घटना राजधानी बैंकॉक के पास डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल की है। स्कूल पहुंचने से पहले ही छात्र ने घर में दादा-दादी की हत्या कर दी थी। बाद में दोनों के शव घर से बरामद हुए।

फायरिंग में इस्तेमाल की गई 9 एमएम पिस्टल छात्र के दादा की थी, जो पेशे से शिक्षक थे। फिलहाल पुलिस हमले की वजहों की जांच कर रही है।

थाईलैंड में आम लोग बंदूक रख सकते हैं, लेकिन इसके लिए सरकार से लाइसेंस लेना जरूरी होता है। बिना लाइसेंस बंदूक रखना या खरीदना गैरकानूनी है। लाइसेंस तभी मिलता है, जब व्यक्ति तय नियमों पर खरा उतरता हो और उसके पास बंदूक रखने की ठोस वजह हो, जैसे आत्मरक्षा, खेल या शिकार।

बंदूक खरीदने और उसे अपने नाम पर रखने के लिए अलग-अलग सरकारी मंजूरी लेनी पड़ती है।

लाइसेंस देने से पहले पुलिस आवेदक की उम्र, आपराधिक रिकॉर्ड, मानसिक स्थिति और बंदूक रखने की वजह की जांच करती है। लाइसेंस मिलने के बाद भी बंदूक घर में ही रखी जा सकती है। उसे सार्वजनिक जगह पर लेकर चलने के लिए अलग परमिट लेना पड़ता है, जिस पर पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने और सख्ती की है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी छात्र ने परिवार के किसी सदस्य की लाइसेंस वाली बंदूक से फायरिंग की। इसके बाद फिर वही सवाल उठ रहा है कि घर में रखे हथियार बच्चों और किशोरों की पहुंच से कितने सुरक्षित हैं। 2022 के डे-केयर सेंटर शूटिंग और 2023 के बैंकॉक मॉल शूटिंग के बाद भी इस मुद्दे पर काफी बहस हुई थी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही गोलियों की आवाज आई, छात्र जान बचाने के लिए क्लासरूम में छिप गए। कुछ देर बाद पुलिस ने दरवाजा खटखट-ाकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद स्कूल में अफरा-तफरी मच गई और बाहर मौजूद लोग एक-दूसरे को संभालते नजर आए।

डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल में फायरिंग के बाद छात्र जान बचाकर स्कूल परिसर से बाहर निकलते हुए।

थाईलैंड में पहले भी हो चुकी हैं गोलीबारी की घटनाएं

थाईलैंड में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर गोलीबारी की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। इन घटनाओं के बाद थाई सरकार ने हथियारों की उपलब्धता और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों की निगरानी बढ़ाने की बात कही थी। इसके बावजूद समय-समय पर ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं, जिससे स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

फेसबुक-इंस्टाग्राम से युवाओं की मेंटल हेल्थ बिगड़ी

मेटा पर अमेरिकी कोर्ट ने 9030 करोड़ का जुर्माना लगाया

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी राज्य न्यू मैक्सिको की अदालत ने गुरुवार को इंस्टाग्राम-फेसबुक की पेरेंट कंपनी Meta पर 942 मिलियन डॉलर यानी 9030 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने कहा कि प्लेटफॉर्म से युवाओं की मेंटल हेल्थ को नुकसान पहुंचा। जुर्माने की रकम में से 420 मिलियन डॉलर यानी 3993 करोड़ रुपए युवाओं के इलाज पर खर्च होंगे। बाकी की रकम अगले 5 साल में अवेयरनेस, प्रिवेंशन, स्क्रीनिंग सर्विस पर खर्च की जाएगी।

यह केस दो फेज में चला। पहले फेज में कोर्ट ने Meta पर 375 मिलियन डॉलर यानी 3571 करोड़ रुपए के सिविल जुर्माना लगाने का आदेश दिया था। तब कोर्ट ने कहा था कि कंपनी जानती थी कि प्लेटफॉर्म पर बच्चों का यौन शोषण हुआ, लेकिन इसे छिपाया।

दूसरे फेज में कोर्ट ने Meta पर

567 मिलियन डॉलर यानी 5,390 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। इस तरह अदालत ने कंपनी पर कुल 942 मिलियन डॉलर यानी 9030 करोड़ रुपए जुर्माना लगाया।

केस के दौरान प्रॉसिक्यूटर्स ने जज से Meta में बुनियादी बदलाव करने की मांग की थी। इन बदलावों का मकसद लत लगाने वाले फीचर्स पर रोक लगाना, एज वैरिफिकेशन प्रोसेस को बेहतर बनाना और डिफॉल्ट प्राइवेसी सेटिंग्स, कड़ी निगरानी के जरिए बच्चों के यौन शोषण को रोकना था।

यह मामला न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेस ने दायर किया था।

फास्ट न्यूज

सिंगापुर में तेजी से बढ़ रही है हिंदुओं की आबादी

सिंगापुर सिटी। सिंगापुर अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता के लिए विश्व स्तर पर पहचाने जाने वाले देश में नया जनसांख्यिकीय बदलाव देखने को मिला है। इस सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि जहां एक तरफ कई प्रमुख धर्मों को मानने वालों की संख्या में कमी दर्ज की गई है, वहीं हिंदू आबादी और किसी भी धर्म को न मानने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है।

शेख हसीना के संबोधन के बाद बांग्लादेश में राजनीतिक ध्रुवीकरण तेज

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की नई दिल्ली से हुई वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद देश में राजनीतिक हलचल फिर तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह संबोधन बांग्लादेश में नए राजनीतिक समीकरण बनने का संकेत हो सकता है। इससे एक ओर अवामी लीग के जमीनी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह आया है। शेख हसीना के संबोधन के बाद कई इलाकों में हिंसा की घटनाएं भी सामने आईं। अवामी लीग से जुड़े नेताओं और समर्थकों के घरों व प्रतिष्ठानों पर हमले, आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं दर्ज की गईं।

हिमस्खलन में जान गंवाने वाले युक्ता का शव लाया गया काठमांडू

काठमांडू। गुलाम जम्मू कश्मीर में ब्राड पीक पर हिमस्खलन में जान गंवाने वाले 10 पर्वतारोहियों में शामिल नेपाली पर्वतारोही पुर बहादुर गुरुंग का शव गुरुवार को काठमांडू लाया गया। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर गुरुंग का पार्थिव शरीर पहुंचने के बाद सरकारी अधिकारियों, पर्यटन विभाग के प्रतिनिधियों, नेपाल पर्वतारोहण संघ के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि दी।

अमेरिका में ट्रैकिंग पर गए भारतीय मूल के पीएचडी छात्र की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सांता बारबरा (UCSB) में पढ़ने वाले एक भारतीय मूल के छात्र की हाइकिंग के दौरान मौत हो गई। अधिकारियों ने छात्र की पहचान की पुष्टि कर दी है।

UCSB के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के PhD छात्र विक्रम मुबायी का शव इन्यो नेशनल फॉरेस्ट के बिग पाइन लेक्स इलाके से बरामद हुआ। वे वीकेंड पर अकेले हाइकिंग ट्रिप पर गए थे। इस ट्रिप पर जाने के बाद वह लापता हो गए। दो दिन बाद विक्रम का शव मिला है।

स्टूडेंट पब्लिकेशन डेली नेक्सस के मुताबिक, विक्रम ने आखिरी बार 1 अगस्त की रात करीब 8:30 बजे अपने परिवार से बात की थी। उस समय उन्होंने अपनी GPS लोकेशन भी शेयर की थी। जब वे तय समय पर वापस नहीं लौटे और आगे संपर्क नहीं हुआ, तो परिवार ने इन्यो काउंटी सर्च एंड रेस्क्यू को सूचना दी। इसके बाद कैलिफोर्निया हाईवे

पेट्रोल के साथ सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। टीम ने 3 अगस्त की शाम को जंगल में उनका शव ढूंढ निकाला।जांच अधिकारी ने मौत की वजह के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी है। उन्होंने कहा कि किसी गड़बड़ी के संकेत नहीं मिले हैं। मौत के हालात की जांच जारी है।

विक्रम का जन्म और परवरिश हांगकांग में हुई थी। परिवार ने सोशल मीडिया पोस्ट में काफी अनुभवी हाइकर बताया। वहीं स्टूडेंट संस्था Illini 4000 की वेबसाइट पर अपने बायो में विक्रम ने लिखा था कि उन्हें खेल और आउटडोर बहुत पसंद हैं। वे एक अच्छे साइकिलिस्ट भी थे। विक्रम ने 2022 में यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस अर्बाना-शैंपेन से केमिकल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री ली।

सिंगापुर में तेजी से बढ़ रही है हिंदुओं की आबादी

सिंगापुर सिटी। सिंगापुर अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता के लिए विश्व स्तर पर पहचाने जाने वाले देश में नया जनसांख्यिकीय बदलाव देखने को मिला है। सिंगापुर जनरल हाउसहोल्ड सर्वे के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में देश के धार्मिक स्वरूप में अहम परिवर्तन हुए हैं।

इस सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि जहां एक तरफ कई प्रमुख धर्मों को मानने वालों की संख्या में कमी दर्ज की गई है, वहीं हिंदू आबादी और किसी भी धर्म को न मानने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है। सरकारी सर्वे के मुताबिक, 15 वर्ष से अधिक उम्र की आबादी में हिंदू ही एकमात्र ऐसा प्रमुख धर्म है, जिसके अनुयायियों का प्रतिशत पिछले पांच वर्षों में बढ़ा है। वर्ष 2020 में सिंगापुर में हिंदुओं की कुल हिस्सेदारी 5.0 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 5.4 प्रतिशत हो गई है, यानी इसमें 0.4 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है।

यमन के 58 सैनिकों की मौत, सऊदी में 11 घायल, कई जगह आग लगी

हूती विद्रोहियों का यमन और सऊदी अरब पर हमला

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को सऊदी अरब और यमन में एक साथ बड़े हमले किए।

पहला हमला यमन सरकार के मिलिट्री ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हुआ, जिसमें 58 सैनिकों की मौत हुई और दर्जनों घायल हो गए। यमन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सही समय और सही जगह पर जवाब दिया जाएगा।

दूसरा हमला सऊदी के नजरान में हुआ, जिसमें 11 नागरिक घायल हुए। इनमें 7 सऊदी, एक यमनी, दो मिस्री, एक पाकिस्तानी नागरिक है। वहीं, एक 4 साल का एक बच्चा भी घायल हुआ है।

यमन में गृहयुद्ध भड़कने का खतरा बढ़ा

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बड़े हमले के बाद गृहयुद्ध भड़कने का खतरा बढ़ गया है। हूतियों ने पूर्वी यमन में सरकारी सेना के तीन सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। यह इलाका सऊदी समर्थित सरकार का मजबूत गढ़ माना जाता है और इसे हाल के वर्षों में हूतियों की सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाइयों में गिना जा रहा है।

यमन में हूती हमलों से मरने वालों की संख्या 58 हुई

यमन में हूती विद्रोहियों के मिसाइल और ड्रोन हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 58 हो गई है। हमलों में दर्जनों सैनिक घायल भी हुए हैं। वहीं, सऊदी अरब के नजरान क्षेत्र में हुए हमले में 4 साल के बच्चे समेत 11 नागरिक घायल हुए हैं। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई।

ईरान की जंग में हूती क्यों कूदे

यमन के हूती विद्रोहियों के ताजा हमले सिर्फ वहां के गृहयुद्ध तक सीमित नहीं हैं। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के साथ हूती भी हमले तेज कर रहे हैं। इसकी वजह ईरान और हूतियों के बीच लंबे समय से बने रिश्ते हैं। हूती (अंसार अल्लाह) यमन का शिया विद्रोही संगठन है। 2014 में उसने राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। तब से वह यमन की सरकार और सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के खिलाफ लड़ रहा है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों का आरोप है कि ईरान हूतियों को हथियार, ड्रोन और मिसाइल तकनीक मुहैया कराता है।

सऊदी अरब के नजरान क्षेत्र में गुरुवार को भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई दिया। फिलहाल आग लगने के कारण और नुकसान को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

पाकिस्तान की नई भूमिका

पाकिस्तान हाल ही में लाल सागर में हूती हमलों से निपटने के लिए बने सऊदी नेतृत्व वाले नौसैनिक गठबंधन में शामिल हुआ है। ऐसे में उसकी भूमिका पहले से ज्यादा अहम हो गई है। नजरान में लगी आग की सूचना मिलते ही दमकल और राहत टीमें मौके पर पहुंच गईं। आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है।

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प के पास अब दो ही रास्ते, पीछे हटें या जंग बढ़ाएं

शिकागो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप का कहना है कि ईरान के साथ जारी युद्ध में ट्रम्प ऐसे मोड़ पर पहुंच गए हैं, जहां उनके पास सिर्फ दो विकल्प बचे हैं- या तो ईरान के बढ़ते प्रभाव को स्वीकार करें या फिर जंग को और आगे बढ़ाएं। अल जजीरा को दिए इंटरव्यू में पेप ने कहा कि अमेरिका ने हवाई और नौसैनिक हमलों से कुछ सैन्य सफलता जरूर हासिल की, लेकिन वह अपने बड़े मकसद पूरे नहीं कर पाया। उनके मुताबिक, युद्ध के बाद ईरान पहले से ज्यादा मजबूत होकर उभरा है।

यहां पैदा हुए विदेशियों के बच्चे को नागरिकता नहीं मिलेगी

अमेरिका में पहली बार 'बर्थ टूरिज्म' पर रोक

ट्रम्प बोले- बर्थराइट सिटीजनशिप मजाक बनी

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर अमेरिका में जन्म लेने वाले लोगों को नागरिकता मिलने के दायरे को सीमित करने की कोशिश की है।

राष्ट्रपति ने बताया कि उन्होंने इमिग्रेशन से जुड़े दो कार्यकारी आदेश साइन किए हैं। इनमें से एक अमेरिका में पैदा होने वाले उन लोगों की संख्या को सीमित करेगा, जो यहां नागरिकता पाने के हकदार हैं।

ट्रम्प ने बताया कि दूसरा आदेश 'बर्थ टूरिज्म' पर लगाम लगाने के लिए है। इसके तहत उन विदेशी पर्यटकों पर वीजा प्रतिबंध बढ़ाए जाएंगे, जो अमेरिका में आकर बच्चे को जन्म देना चाहते हैं।

इससे पहले बर्थराइट सिटीजनशिप

को सीमित करने की कोशिश को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था, लेकिन अब वे दोबारा इसके लिए कोशिश कर रहे हैं।

इन आदेशों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। ट्रम्प का मानना है कि उनके ये नए कदम संवैधानिक होंगे। इससे पहले जून में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने बर्थराइट सिटीजनशिप को बरकरार रखा था। कोर्ट ने ट्रम्प के उन पिछले प्रयासों को खारिज कर दिया था, जिनमें उन्होंने यह घोषित करने की कोशिश की थी कि अमेरिका में अवैध अस्थायी रूप से रह रहे लोगों के बच्चे अमेरिकी नागरिक नहीं हैं। कोर्ट ने कहा था कि अमेरिका में गैर-कानूनी या अस्थायी रूप से मौजूद लोगों के बच्चे अपने-आप अमेरिकी नागरिकता पाने के हकदार हैं। कोर्ट ने 'यूनाइटेड स्टेट्स बनाम वोंग किम आर्क' मामले में अपने पहले के फैसले का भी हवाला दिया और कहा कि विदेशी माता-पिता से अमेरिका में पैदा हुए बच्चे इसके हकदार हैं। व्हाइट हाउस के सलाहकार स्टीफन मिलर ने कहा कि ये एग्जीक्यूटिव एक्शन 14वें संशोधन के मूल मकसद पर आधारित हैं।

तैयारी : रूस-चीन से जंग हुई तो छोटे एटम बम इस्तेमाल होंगे न्यूक्लियर वेपन सिर्फ डराने के लिए नहीं

अमेरिका परमाणु नीति बदल रहा

लन्दन, एजेंसी

अमेरिका चीन और रूस से बढ़ते तनाव को देखते हुए अपनी परमाणु नीति बदलने की तैयारी कर रहा है।

NBC न्यूज के मुताबिक, पेंटागन ऐसी रणनीति बना रहा है, जिसमें बड़े परमाणु हथियारों के साथ छोटे एटम बम (टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियार) भी इस्तेमाल का विकल्प होंगे। जरूरत पड़ने पर इनका इस्तेमाल दुश्मन के सैन्य ठिकानों या सीमित युद्ध में किया जा सकेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, पेंटागन के नीति प्रमुख एल्ब्रिज कोल्बी इस नई नीति पर काम कर रहे हैं। उनका मानना है कि अभी राष्ट्रपति के पास या तो बड़े परमाणु हमले का विकल्प है या फिर कोई जवाबी कार्रवाई नहीं करने का। नई रणनीति में बीच का रास्ता निकाला जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर छोटे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर दुश्मन को रोका जा सके। अमेरिका को लगता है कि अगर भविष्य में चीन या रूस से जंग हुई, तो सिर्फ बड़े परमाणु हमले का विकल्प काफी नहीं होगा। इसलिए वह छोटे एटम बमों को भी अपनी सैन्य योजना में शामिल करना चाहता है। इससे दुश्मन पर दबाव बनेगा और जरूरत पड़ने पर सीमित जवाब देना आसान होगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर छोटे एटम बम इस्तेमाल का विकल्प बन गए, तो उन्हें चलाने की संभावना भी बढ़ जाएगी। इससे कोई भी सामान्य जंग देखते-देखते परमाणु जंग में बदल सकती है।

द्वितीय विश्व युद्ध में अगस्त 1945 में अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए थे। इसके बाद दुनिया ने परमाणु हथियारों की विनाशकारी क्षमता देखी। तभी से बड़ी परमाणु शक्तियों ने इन्हें युद्ध में चलाने के बजाय 'न्यूक्लियर डिटरेंस' (परमाणु प्रतिरोध) के हथियार के रूप में इस्तेमाल करना शुरू किया।

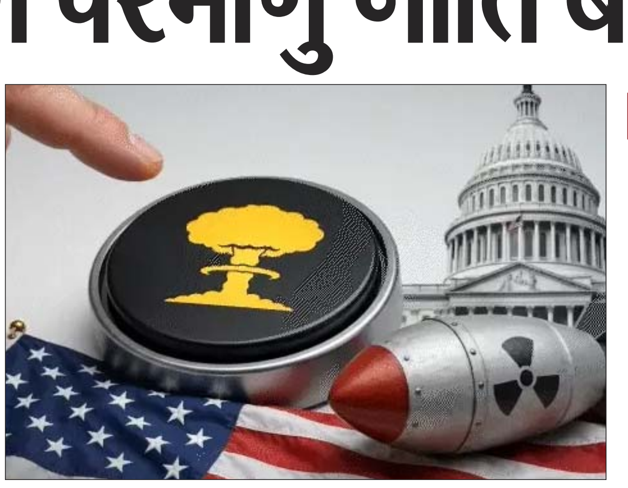

टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियार कम क्षमता वाले होते हैं। इन्हें पूरे शहर को तबाह करने के बजाय युद्ध के मैदान में दुश्मन के सैन्य टिकानों, एयरबेस, मिसाइल लॉन्च साइट, टैंक फॉर्मेशन या सैनिकों की तैनाती जैसे सीमित लक्ष्यों पर इस्तेमाल करने के लिए बनाया जाता है।

रूस के पास सबसे ज्यादा परमाणु हथियार

रूस दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु जखीरा रखने वाला देश है। SIPRI और FAS के मुताबिक उसके पास 5,459 परमाणु हथियार हैं। अमेरिका 5,177 हथियारों के साथ दूसरे स्थान पर है। दोनों देशों के पास दुनिया के करीब 88% परमाणु हथियार हैं। चीन के पास करीब 600 परमाणु हथियार हैं। संख्या में वह काफी पीछे है, लेकिन परमाणु हथियारों का जखीरा सबसे तेजी से वही बढ़ा रहा है।

हर महीने 610 जमा करने पर मिलेंगे 1 लाख

एसबीआई की 'हर घर लखपति' स्कीम में 7.05% तक का ब्याज

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय स्टेट बैंक यानी SBI एक खास रिकरिंग डिपॉजिट यानी RD स्कीम चला रहा है, जिसका नाम 'हर घर लखपति' है। यह एक कस्टमाइज्ड RD प्रोडक्ट है, जिसका मकसद है कि आम आदमी हर महीने छोटी-छोटी बचत करके मैच्योरिटी पर 1 लाख या उससे ज्यादा का फंड जुटा सके और 'लखपति' बन सके।

रिकरिंग डिपॉजिट या RD बड़ी बचत में आपकी मदद कर सकती है। आप इसका इस्तेमाल गुल्लक की तरह कर सकते हैं। मतलब आप इसमें हर महीने सैलरी आने पर एक निश्चित रकम डालते रहें और इसके मैच्योर होने पर आपके हाथ में बड़ी रकम होगी। हर घर लखपति स्कीम का मैच्योरिटी पीरियड 3 साल से 10 साल तक रहता है। यानी आप 3 साल से 10 साल तक के लिए निवेश कर सकते हैं। हर घर लखपति योजना में आप 1 लाख रुपए से ज्यादा का टारगेट भी चुन सकते हैं। इसमें 2, 3 और 4 लाख आदि का टारगेट सेट करके भी निवेश कर सकते हैं। आप जितनी रकम का टारगेट रखते है, आपकी किस्त की राशि उसी हिसाब से तय होती है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96